शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 179 | गुवाहाटी | रविवार, 28 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीएम ने सतिया में मॉडल अस्पताल और स्टेडियम का किया उद्घाटन पेज 2
डिब्रूगढ़ में पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज से पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुए अकल्पनीय काम : सीपी जोशी पेज 5
आर्यना सबालेंका लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतीं, महिला एकल... पेज 7

नीतीश कुमार की नई सरकार का शपथ ग्रहण आज

पटना। बिहार की राजनीति से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। सूत्रों के हवाले से मिली खबर के अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज ही इस्तीफा दे सकते हैं। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार शाम 7 बजे इस्तीफा देंगे और पटना में कल नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। बिहार में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच जदयू के शीर्ष शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पहुंचे। बैठक में जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार झा और राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष देवेश चंद्र ठाकुर जैसे नेता शामिल हुए। बैठक खत्म होने के बाद खबर सामने आ रही है कि नीतीश कुमार आज शाम को इस्तीफा दे सकते हैं और भाजपा के समर्थन से नई सरकार का गठन कर सकते हैं। उधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ अपनी पार्टी के दोबारा गठजोड़ करने की अटकलों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राधा मोहन सिंह ने शनिवार को राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि, पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने स्पष्ट किया कि वह अपने लोकसभा क्षेत्र पूर्वी चंपारण में आयोजित एक समारोह में शामिल होने का आमंत्रण देने के लिए राजभवन गए थे। उन्होंने बिहार की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इससे पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने चुनौती देते हुए कहा कि वह नीतीश कुमार को आसानी से शपथ नहीं लेने देंगे। राजद के वरिष्ठ नेता और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने शनिवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि उनके पास पर्याप्त संख्या बल है और -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार की राजनीति में हमारी कोई भूमिका नहीं : भाजपा

पटना। बिहार में राजनीतिक उठापटक के बीच भाजपा ने कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा। दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार एक बार फिर से पाला बदल सकते हैं। माना जा रहा है कि वह एक बार फिर से भाजपा के साथ सरकार बना सकते हैं। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह गठबंधन अप्राकृतिक है... जो चीज अप्राकृतिक है -शेष पृष्ठ दो पर

आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी क्षमता, कौशल और शिक्षा का दायरा बढ़ाना है : सर्वानंद सोनोवाल

गुवाहाटी (हि.स.)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध शिशु शिक्षा समिति के अंतर्गत गुवाहाटी के हाजोंगबाड़ी स्थित विद्या भारती बहुउद्देशीय शैक्षिक परियोजना में नवनिर्मित *महाराज पृथु छात्रावास* भवन का शनिवार को उद्घाटन किया गया। भवन का उद्घाटन प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जोशी की उपस्थिति में मुख्य अतिथि केंद्रीय आयुष और पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के द्वारा किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि छात्रों को अपने काम से विश्व विजय करने के लिए स्वयं को सशक्त बनाना होगा। इसके लिए हमें शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। सोनोवाल ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी क्षमता, कौशल और शिक्षा का दायरा बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने इस कार्य में लंबे समय से संलग्न रहने के लिए विद्या भारती की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है। हमें बस अपना स्वाभिमान जगाने की आवश्यकता है। इसके लिए भारत केंद्रित और स्वाभिमान युक्त शिक्षा की आवश्यकता है। इस मौके पर डॉ. जोशी ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने कन्याका फार्म का किया निरीक्षण

विश्वनाथ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा शनिवार सुबह को विश्वनाथ जिला के *कन्याका* फार्म का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पालतु हाथी को केले खिलाकर कन्याका फार्म स्थित गौशाला का परिभ्रमण किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने आठ साल पहले फार्म में लगाए गए नीम के पेड़ के नीचे बैठकर कुछ क्षण आराम किया। मुख्यमंत्री ने कृषि फार्म की विशाल गौशाला का अवलोकन किया और कन्याका की सुंदरता का आनंद लिया।

कांगपोकपी में दो गुटों के बीच गोलीबारी, एक की मौत

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हुई गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। सूत्रों ने पुलिस के हवाले से बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार सुबह दो सशस्त्र समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें एक स्वयंसेवक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई, जब हथियारबंद लोग सतांग कुकी के पहाड़ी गांव में घुस आए। इस दौरान उन्होंने फायरिंग कर दी। उन्होंने बताया कि सतांग गांव में अतिरिक्त सुरक्षा बलों के पहुंचने के बाद हमलावर वहां से भाग गए। -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

नौकरी के बदले जमीन घोटाला : राबड़ी को समन

पटना। दिल्ली की एक अदालत ने *नौकरी के बदले जमीन* घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में शनिवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनकी बेटी मीसा भारती तथा हेमा यादव सहित अन्य को तलब किया। अदालत ने रेलवे में नौकरी के बदले जमीन से जुड़े धनशोधन मामले में उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के बाद इन्हें तलब किया है। विशेष न्यायाधीश विशाल ने आरोपियों को नौ फरवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश देते हुए कहा कि मामले में आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त आधार हैं। अदालत ने व्यवसायी अमित कात्याल -शेष पृष्ठ दो पर

दोषी ठहराए गए भ्रष्ट व्यक्तियों का सार्वजनिक महिमामंडन हानिकारक : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में बदलते मानदंडों पर विचार करते हुए जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब हम दोषी ठहराए गए भ्रष्ट व्यक्तियों का सार्वजनिक महिमामंडन देख रहे हैं, जो कार्यपालिका, न्यायपालिका और संविधान की अखंडता के लिए हानिकारक है। प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित किया। विधायी निकायों के भीतर मर्यादा बनाए रखने के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सदन में सदस्यों का आचरण और उसमें अनुकूल वातावरण सीधे विधानसभा की उत्पादकता को प्रभावित करता है। इस सम्मेलन से निकले ठोस सुझाव उत्पादकता बढ़ाने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधियों द्वारा सदन में आचरण से सदन की छवि तय होती है। मोदी ने इस बात पर अफसोस जताया कि पार्टियां अपने सदस्यों के आपत्तिजनक व्यवहार पर अंकुश लगाने की बजाय उनके समर्थन में उतर आती हैं। उन्होंने कहा कि यह संसद या विधानसभाओं के लिए अच्छी स्थिति नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले अगर सदन के किसी सदस्य पर भ्रष्टाचार का आरोप लगता था तो सार्वजनिक जीवन में सभी उससे दूरी बना लेते थे। आज हम कोर्ट से सजा पाए भ्रष्टाचारियों का भी सार्वजनिक रूप से -शेष पृष्ठ दो पर

गणतंत्र दिवस पर अपमानजनक प्रस्तुति दो अधिकारी निलंबित

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह में मंच पर कथित तौर पर अपमानजनक प्रस्तुति करने और केंद्र सरकार की आलोचना करने पर अपने अधिकारियों पर कार्रवाई की है। हाई कोर्ट ने इस मामले में अपने दो अधिकारियों को सेवा से निलंबित कर दिया है। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल ने कहा कि सहायक रजिस्ट्रार और कोर्ट कीपर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है और घटना की -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

कलकत्ता एचसी के न्यायाधीशों में टकराव एससी ने सभी फैसलों पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय की ओर से साथी न्यायाधीश सौमेन सेन के खिलाफ लगाए गए *कदाचार* के आरोपों पर स्वत: संज्ञान लिया है। मामले पर आज सुनवाई करते हुए कोर्ट ने बंगाल सरकार को नोटिस भी जारी किया है। दरअसल, सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में आरक्षित श्रेणी के फर्जी प्रमाणपत्र जारी करने और एमबीबीएस उम्मीदवारों के प्रवेश में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष सभी कार्यवाही पर रोक लगा दी। एक विशेष सुनवाई में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई, सूर्यकांत और अनिरुद्ध बोस की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने मामले में पश्चिम बंगाल सरकार और मूल याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने मामले में एकल-न्यायाधीश पीठ -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट अंतिम सबूत नहीं : मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने शनिवार को कहा कि वाराणसी की अदालत में पेश की गई ज्ञानवापी परिसर की एएसआई सर्वे की रिपोर्ट मामले में कोई अंतिम सबूत नहीं है। बोर्ड के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने एक बयान में कहा कि ज्ञानवापी से संबंधित हिंदू पक्ष और दूसरे संगठन वर्षों से लगातार जनता को गुमराह कर रहे हैं। इसकी ताजा मिसाल एएसआई की वह रिपोर्ट है जो इसने अदालत में -शेष पृष्ठ दो पर

उस्मानिया यूनिवर्सिटी में गुस्साई छात्राओं का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद। हैदारबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं ने शनिवार को जमकर हंगामा किया। दरअसल, ये छात्राएं अपने परिसर में हुए सुरक्षा उल्लंघन को लेकर गुस्साई हुई है। खबरों के अनुसार, छात्रों को अपने छात्रावास के सामने बैठकर *हमें न्याय चाहिए* के नारे लगाते देखा गया। छात्रों का कहना है कि वह केवल वीसी को परिसर में आने की मांग कर रहे है। इसी बीच एक पुलिस कर्मी ने कहा कि हॉस्टलवासियों को समय रहते सभी सुरक्षा सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), उत्तरी क्षेत्र, रोहिणी प्रियदर्शिनी ने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि जो भी सुविधाएं, जो भी काम करने की जरूरत है वह समय के भीतर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

सभी प्रकार के भय से बदनामी का भय सबसे बड़ा होता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

केंद्र को ममता का अल्टीमेटम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बकाया फंड को जारी करने को लेकर केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। ममता ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर केंद्र सरकार सात दिन के अंदर बंगाल को बकाया फंड जारी नहीं करेगी तो टीएमसी बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी। इससे पहले उन्होंने 20 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी और पेंडिंग फंड के मुद्दे पर चर्चा की थी। बैठक के बाद उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि राज्य और केंद्र के अधिकारी एक साथ बैठ कर इस मुद्दों को सुलझाएंगे। बता दें कि पश्चिम -शेष पृष्ठ दो पर

सोमनाथ मंदिर की जमीन : 150 से अधिक झुग्गियों पर बुलडोजर

अहमदाबाद। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर के पीछे स्थित मंदिर ट्रस्ट और राज्य सरकार की लगभग तीन हेक्टेयर भूमि खाली कराने के लिए एक बड़ा अतिक्रमण रोधी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कलेक्टर हरजी वाधवानिया ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्री सोमनाथ ट्रस्ट और राज्य सरकार की भूमि को खाली कराने के लिए अनधिकृत रूप से निर्मित 21 मकान और 153 झुग्गियों को ध्वस्त किया जा रहा है। वाधवानिया ने कहा कि तोड़फोड़ अभियान शनिवार सुबह पांच *मामलतदारों* और लगभग 100 राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो जाए, बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि तीन हेक्टेयर (7.4 एकड़) जमीन को राज्य राजस्व विभाग द्वारा जारी एक सर्कुलर के अनुसार अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा और बाड़ लगाई जाएगी। सोमनाथ मंदिर अरब सागर के तट के पास वेरावल शहर के पास प्रभास पाटन में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि यह भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से पहला है और एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल और पर्यटक स्थल है। कलेक्टर ने कहा कि हम राजस्व विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अनधिकृत आवासीय अतिक्रमण -शेष पृष्ठ दो पर

संसदीय समितियों को सहयोग और समावेशिता से काम करना चाहिए : बिरला

मुंबई (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि संसदीय समितियों को सहयोग और समावेशिता की भावना से काम करना चाहिए। उन्होंने आज महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर, मुंबई में 84वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे, राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; महाराष्ट्र विधान सभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, महाराष्ट्र विधान परिषद की उप सभापति डॉ. नीलम गोरहे और महाराष्ट्र विधान सभा के उपाध्यक्ष नरहरि सीताराम झिरवाल उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो संदेश के माध्यम से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीएम ने सतिया में मॉडल अस्पताल और स्टेडियम का किया उद्घाटन

शोणितपुर (हि.स.)। सतिया में आज तीन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा उपस्थित हुए। सतिया के सेउज रोड पर छह करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित सरकारी मॉडल अस्पताल का उद्घाटन किया और सतिया के मालर गांव में 10 लाख रुपए की लागत से भूमिधर बरदलै के नाम पर नवनिर्मित सतिया स्टेडियम का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने सतिया निरीक्षण बंगले में दोपहर का भोजन करने के बाद एक करोड़ रुपए की लागत से पुनर्निर्मित सतिया नीलिमा नाट्य भवन का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में सतिया में एक दैनिक बाजार और एक इनडोर स्टेडियम के निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री के साथ सांसद पल्लव लोचन दास, राज्यसभा सांसद पवित्र मार्घेरिटा, विधायक कृष्ण कमल तांती, गणेश लिम्बु और सतिया के विधायक पद्म हजारिका मौजूद थे।

छह मजदूरों की मौत कोयला खदान सील

गोलाघाट (हिंस)। नगालैंड प्रशासन ने मेरापानी सीमा पर स्थित द रूसीन बस्ती में एक कोयला खदान में असम के छह मजदूरों की जलकर मौत होने के बाद कोयला खदान को सील कर दिया है। जानकारी के अनुसार घटना के संबंध में नगालैंड के कोयला व्यापारियों मोयठांग तुंगवे और तेनजाम मुजीक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उरियामघाट के अतीकुर अली और सरिफुल अली फरार बताए गए हैं। नगालैंड की भंडारी पुलिस ने भारतीय दंड संहिता धारा 304 (ए)/325/336/344 के तहत मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आग में वाहन जलकर राख

होजाई (हिंस)। होजाई जिला शहर के पुराना बाजार के समीप विशाल मार्केट के पास आज सुबह अचानक लगी आग के चलते अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। आग एक चार पहिया वाहन में लगी। आग में वाहन जलकर राख हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि यांत्रिक खराबी के कारण चार पहिया वाहन (एएस-01बीवाई-0297) में आग लग गई।

होशियारपुर में भीषण सड़क हादसा, पांच युवक जिंदा जले

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के होशियारपुर में दसूहा के पास भीषण सड़क हादसे में पांच युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। ये सभी लोग कार में सवार थे। घटना शुक्रवार देर रात की है। जालंधर-पठानकोट हाईवे पर दसूहा के पास कार व ट्रक की टक्कर में जोरदार धमाके के बाद कार में आग लग गई। जिससे यह घटना हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब वह गांव उच्ची बस्सी के पास पहुंचा तो देखा कि जालंधर नंबर की एक कार से आग की लपटें निकल रही थी। उनके वहां पहुंचने से करीब एक दो मिनट पहले ही हादसा हुआ था। मौके पर जमा हुए ग्रामीणों ने चार लोगों को बाहर निकाला। जिसमें दो लोगों की मौत हो चुकी थी, दो की सांस चल रही थी। एक अन्य खुद ही किसी तरह बाहर आ गया था। जिसे सबसे पहले अस्पताल भेजा गया। उक्त युवक की अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। कुछ देर बाद जांच के लिए पुलिस और एम्बुलेंस पहुंच गई। मगर जब तक दो अन्य की भी मौत हो गई थी। जिस जगह पर कार जल रही थी उससे करीब 500 मीटर दूर एक ट्रक झाड़ियों में पलटा हुआ था। पुलिस के अनुसार ट्रक का चालक उसी में फंसा हुआ था। उसे भी किसी तरह बाहर निकाल कर दसूहा के सिविल अस्पताल में भेजा गया। आशंका जताई जा रही है कि ट्रक चालक कार को टक्कर मारने के बाद वहां से भागा होगा, मगर आगे जाकर वह भी हादसे का शिकार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंची। जिन्होंने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद कार में लगी आग पर काबू पाया।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
Apollo HOSPITALS

ऑर्थोपेडिक सर्जन

डॉ. सेंथिल कुमार दुराई, MS (Ortho), Fellow in Trauma & Reconstructive Surg (South Korea)

गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

05 फरवरी, 2024 को

जी मरीज ऑर्थोपेडिक सर्जरी, हिप एंड घुटना (नी) रिप्लेसमेंट, ऑर्थोस्कोपिक सर्जरी, मॉडर्न फ्रेक्चर ट्रीटमेंट, स्पाइन सर्जरीज, पीठ दर्द से संबंधित समस्याओं से अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं। यह सर्जन कॉम्पूटर अस्सिटेड ऑर्थोपेडिक्स सर्जरी में विशेषज्ञ हैं :

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102166

Apollo HOSPITALS
अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
ऑर्थोपेडिक सर्जन

डॉ. ए. नवलादी शंकर, MBBS, MNAMS D.Ortho, DNB(Othro Surgery) FAOI (Gaermany)

गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

2 फरवरी, 2024 को

जो मरीज चूतड़ (हिप), घुटना स्पाइन ज्वाइंट, समस्याओं से परेशान है और हिप की रिप्लेसमेंट सर्जरी करना चाहते हैं, वे अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं :

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

Apollo HOSPITALS
अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
लिवर स्पेशेलियस्ट/ट्रांसप्लांट टीम

डॉ. इलेन कुमारन, MBBS, MS, MRCS, DNB, Mch, PDF

गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

28 जनवरी, 2024 को

जो मरीज लीवन फेलियर, हेपेटाइटिस बी एंड सी, अल्कोहॉलिक लीवर रोग, लीवर सिरहोसिस और लीवर ट्यूमर इत्यादि से परेशान है, वे अपने-अपने नामांकन करा सकते हैं :

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

दुनियाभर में भारतीय गणतंत्र दिवस की धूम, प्रवासी भारतीयों ने फहराया तिरंगा

कोलंबो (हि.स.)। भारतीय गणतंत्र दिवस की धूम पूरी दुनिया में रही। विश्व में प्रवासी भारतीयों ने शुक्रवार को विदेशों में देश के मिशनों में गणतंत्र दिवस मनाया और तिरंगा फहराया। भारत के कई राजनयिकों ने अमृत काल में प्रवेश करते हुए देश की प्रगति की जानकारी दी और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया। दुनिया भर में राजदूतों ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का गणतंत्र दिवस संदेश पढ़ा। इनमें रूस, इटली, जर्मनी, सिंगापुर, नाइजीरिया, यूक्रेन, मालदीव, इजरायल, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, चेक गणराज्य, थाईलैंड, कंबोडिया, जापान, चीन और बांग्लादेश शामिल हैं। लगभग हर जगह भारतीय प्रवासी सांस्कृतिक और अन्य कार्यक्रमों में शामिल हुए। मिस्त्र में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए एक स्वागत रात्रिभोज का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मिस्त्र के संचार और आइटी मंत्री डा. अम्र तलत के साथ ही बड़ी संख्या में भारतीय डायसपोरा के सदस्य शामिल हुए। चीन में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया कि ठंड के बावजूद भारी संख्या में मौजूदगी के बीच श्रद्धापूर्वक गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस दौरान यूक्रेन में भारत के राजदूत ने कहा कि लोगों के लिए शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना करते हैं। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि अरिंदम बागची ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भारतीय समुदाय और अन्य लोगों को संबोधित किया। नाइजीरिया के लागोस में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि 500 से अधिक प्रवासी भारतीयों ने कार्यक्रम में भाग लिया। लागोस के स्कूलों के बच्चों ने देशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किए।

ममता और कांग्रेस के बीच बढ़ी तकरार सिलीगुड़ी में राहुल की सभा पर रोक

कोलकाता। टीएमसी के अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने के एेलान के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस के बीच तकरार बढ़ गई है। ममता ने सिलीगुड़ी में राहुल गांधी को सभा करने की अनुमति देने से मना कर दिया है। इसके बाद कांग्रेस ने यात्रा के रूट में बदलाव किया है। कूच बिहार की बजाय अब जलपाईगुड़ी से यात्रा शुरू होगी। उधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और ममता की बातचीत भी बेनतीजा रही। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस आज तय करेगी कि बंगाल में ममता को लेकर क्या रुख रखना है। ममता के रवैये से अब कांग्रेस भी नाखुश है। खड़गे के बात करने के बाद भी रास्ता नहीं निकला। कहा ये भी जा रहा है कि अगर बात बिगड़ी तो चुनाव बाद साथ हो जाएंगे फिलहाल अदावत रहेगी। उधर, आज राहुल गाधी और खड़गे के बीच बैठक होगी। इस बैठक में अब कांग्रेस यह तय करेगी कि बंगाल में क्या लाइन रखनी है। बता दें कि राहुल गांधी की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* गुरुवार को पश्चिम बंगाल प्रवेश की थी। यात्रा के बंगाल पहुंचने पर राहुल गांधी ने कहा कि मैं पश्चिम बंगाल आकर खुश हूं। हम यहां आपकी बात सुनने और आपके साथ खड़े होने आए हैं। राहुल ने कहा कि भाजपा-आरएसएस नफरत, हिंसा और अन्याय फैला रहे हैं इसलिए इंडिया गठबंधन पूरे देश में *अन्याय* के खिलाफ लड़ने जा रहा है। बता दें कि शीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस और टीएमसी के बीच बात नहीं बनी। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस 10-12 सीटों की मांग कर रही थी लेकिन टीएमसी केवल 2 सीटें देने को तैयार थी। मगर कांग्रेस इस पर राजी नहीं थी। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी ने कांग्रेस को साल 2019 के लोकसभा में कांग्रेस की जीती दो सीटें बहरामपुर और मालदा दक्षिण देने की पेशकश कर रही थी, लेकिन कांग्रेस इस पर राजी नहीं थी। बता दें कि ममता बनर्जी ने पिछले बुधवार को अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का एेलान किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के साथ मेरी कोई चर्चा नहीं हुई। मैंने हमेशा कहा है कि बंगाल में हम अकेले चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि देश में क्या किया जाएगा लेकिन हम एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी हैं और बंगाल में हैं। हम अकेले ही भाजपा को हरा देंगे। मैं इंडिया गठबंधन का हिस्सा हूं। राहुल गांधी की न्याय यात्रा हमारे राज्य से गुजर रही है लेकिन हमें इसके बारे में नहीं बताया गया।

पृष्ठ एक का शेष

नीतीश कुमार की ...

सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते उन्हें सरकार बनाने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर मौका नहीं दिया गया तो राजद राजभवन के समक्ष धरना देगा। बता दें कि जदयू और राजद के बीच खटास नीतीश कुमार के राजनीति में परिवारवाद को बढ़ावा देने को लेकर दिए गए वक्तव्य और उसके एक दिन बाद लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने *एक्स* पर ताबड़तोड़ तीन ट्वीट करके नीतीश कुमार पर हमला बोलने से आई। हालांकि बाद में रोहिणी ने अपने ट्वीट डिलीट तो कर दिए लेकिन राज्य की राजनीति में नए अध्याय के शुरुआत का शंखनाद अवश्य हो गया। नीतीश कुमार और तेजस्वी के रिश्तों में खटास उभर कर सामने आ गई।

बिहार की राजनीति...

वह लंबे समय तक टिक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि इस अप्राकृतिक गठबंधन की स्वत: ही स्वाभाविक मृत्यु हो जाएगी। बिहार में जो कुछ भी हो रहा है, उसमें हमारी कोई भूमिका नहीं है, जो मतभेद हो रहे हैं, वह उन्हीं की वजह से है। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि कुछ सबसे भ्रष्ट पार्टियां इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। नीतीश कुमार अब उनके साथ नहीं रहना चाहते। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि हम बैठक में शामिल होने जा रहे हैं और पार्टी द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करेंगे...पार्टी बिहार के हित के अनुसार निर्णय लेगी। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि राहुल गांधी ममता बनर्जी की इतनी तारीफ करते हैं उसके बाद भी मल्लिकार्जुन खड़गे को सुरक्षित मार्ग को लेकर पत्र लिखना पड़ रहा है। वे किस चीज को लेकर डर रहे हैं?... दिल्ली जाकर ये लोग हाथ मिलाकर दिखाते हैं कि ये दोस्त हैं लेकिन असल में सब अपना-अपना एजेंडा लेकर चल रहे हैं... दूसरी ओर राजद और जदयू में बयानबाजी शुरू हो गई है। जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि राजद नेतृत्व बेचैन है... वे अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं, वे इसपर रोक लगाएं वर्ना राजनीति में इसका अंजाम बेहतर नहीं होगा। सुधाकर सिंह ने कहा कि कोई भी निर्णय राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद को लेना है, नीतीश कुमार और सरकार को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई... सरकार चल रही है। लोकसभा को लेकर चर्चा हुई। राजद नेता मनोज झा ने कहा कि बैठक बहुत सकारात्मक हुई, हमारी अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा हुई... बैठक में समकालीन राजनीति में चल रहे मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया।

आत्मनिर्भर बनने के ...

हमारे छात्रों को हिंदू नायक महाराजा पृथु से प्रेरणा लेनी चाहिए और उस प्रेरणा और साहस के बल पर मातृभूमि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। उन्होंने देश के स्वाभिमान को जागृत करने के लिए विद्या भारती और उसके सहयोगी संगठनों द्वारा किए जा रहे निरंतर कार्यों की भी सराहना की। समारोह में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री केएन रघुनंदन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ. जगदींद्र रॉय चौधरी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, विद्या भारती उत्तर असम प्रांत के संगठन मंत्री नीरव घेलानी और शिशु शिक्षा समिति, असम के महासचिव कुलेंद्र कुमार भागवती समेत अन्य कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांगपोकपी में दो ...

आपको बता दें कि घायल को इंफाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि घायलों में से एक के चेहरे पर और दूसरे की जांघ पर छर्रे लगे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नौकरी के बदले ...

के खिलाफ भी पेशी वारंट जारी किया, जो फिलहाल मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। राजद प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार के एक कथित *करीबी सहयोगी* कात्याल (49), रेलवे कर्मचारी एवं कथित लाभार्थी हृदयानंद चौधरी, दो फर्म ए के इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड और ए बी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को उनके साझा निदेशक शारिकुल बारी के माध्यम से भी आरोप पत्र में नामजद किया गया है। इस मामले में कात्याल को पिछले साल नवंबर में ईडी ने गिरफ्तार किया था और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद को एजेंसी ने तलब किया था, लेकिन वह अब तक पेश नहीं हुए हैं। राजद प्रमुख के बेटे एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव एक बार एजेंसी के सामने पेश हो चुके हैं। उन्हें दोबारा इसके सामने पेश होने को कहा गया है। ऐसी संभावना है कि एजेंसी मामले में पूरक आरोपपत्र दाखिल करेगी। यह कथित घोटाला उस समय का है जब लालू संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले कार्यकाल में रेल मंत्री थे। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला लालू के रेल मंत्री (2004-2009) रहने के दौरान रेलवे के पश्चिम जोन में *ग्रुप-डी* के पदों पर नियुक्ति से संबंधित है और आरोप है कि नौकरी के बदले राजद प्रमुख के परिवार के सदस्यों या सहयोगियों के नाम पर जमीन ली गई थी।

दोषी ठहराए गए ...

महिमामंडन होते देखते हैं। ये कार्यपालिका, न्यायपालिका और संविधान का भी अपमान है। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा करने और ठोस सुझाव देने के महत्व पर जोर दिया। 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर होने वाले सम्मेलन के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन और भी खास है, यह सम्मेलन भारत के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के तुरंत बाद हो रहा है। 75 साल पहले 26 जनवरी को हमारा संविधान लागू हुआ था, यानी आज संविधान को 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। मैं देशवासियों की ओर से संविधान सभा के सभी सदस्यों को आदरपूर्वक नमन करता हूं। संविधान सभा से सीखने के महत्व पर विचार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी संविधान सभा से सीखने के लिए बहुत कुछ है। संविधान सभा के सदस्यों पर विभिन्न विचारों, विषयों और मतों के बीच आम सहमति बनाने की जिम्मेदारी थी और वे इस पर खरे उतरे। प्रधानमंत्री ने उपस्थित पीठासीन अधिकारियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनसे एक बार फिर संविधान सभा के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अपने-अपने कार्यकाल में, एक ऐसी विरासत छोड़ने का प्रयास करें, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए विरासत के रूप में काम कर सके। विधायी निकायों की कार्यक्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विधानसभाओं और समितियों की दक्षता बढ़ाना आज के परिदृश्य में महत्वपूर्ण है, जहां सतर्क नागरिक प्रत्येक प्रतिनिधि की जांच करते हैं। भारत की प्रगति को आकार देने में राज्य सरकारों और उनकी विधान सभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की प्रगति हमारे राज्यों की उन्नति पर निर्भर करती है और राज्यों की प्रगति सामूहिक रूप से उनके विकास लक्ष्यों को परिभाषित करने के लिए उनके विधायी और कार्यकारी निकायों के दृढ़ संकल्प पर निर्भर करती है। आर्थिक प्रगति के लिए समितियों को सशक्त बनाने के महत्व पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आपके राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए समितियों का सशक्तीकरण महत्वपूर्ण है। ये समितियां निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जितनी सक्रियता से काम करेंगी, राज्य उतना ही आगे बढ़ेगा। कानूनों को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने अनावश्यक कानूनों को निरस्त करने में केंद्र सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने दो हजार से अधिक कानूनों को निरस्त कर दिया है, जो हमारी प्रणाली के लिए हानिकारक थे। न्यायिक प्रणाली के इस सरलीकरण ने आम आदमी के सामने आने वाली चुनौतियों को कम किया है और जीवनयापन में आसानी को बढ़ाया है। मोदी ने पीठासीन अधिकारियों से अनावश्यक कानूनों और नागरिकों के जीवन पर उनके प्रभाव पर ध्यान देने का आह्वान करते हुए इस बात पर जोर दिया कि उनके हटाने से महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जिक्र करते हुए महिलाओं की भागीदारी और प्रतिनिधित्व बढ़ाने के उद्देश्य से सुझावों पर चर्चा को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में महिलाओं को सशक्त बनाने और समितियों में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने के प्रयासों को बढ़ाया जाना चाहिए। इसी तरह उन्होंने समितियों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया। मोदी ने जोर देकर कहा कि हमारे युवा प्रतिनिधियों को अपने विचार रखने और नीति-निर्माण में भागीदारी का अधिकतम अवसर मिलना चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर ...

जांच होने के बाद ही इस मामले में कोई कदम उठाया जा सकता है। रजिस्ट्रार जनरल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि दोनों अधिकारियों के पास अगर किसी भी तरह की सरकारी संपत्तियां होगी तो उसे वापस करना होगा, जिसमें पहचान पत्र भी शामिल है। रजिस्ट्रार जनरल ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि कि मुख्य न्यायाधीश ने पंजीयक (सतर्कता) को घटना की विस्तृत जांच करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि गणतंत्र दिवस पर उच्च न्यायालय के सभागार में मंच पर प्रस्तुति दी गई थी।

कलकत्ता एचसी के ...

और खंडपीठ द्वारा पारित आदेशों पर भी रोक लगा दी। पीठ ने कहा कि हम इस पर सोमवार को विचार करेंगे। इससे पहले हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इस मामले की सीबीआई जांच के एकल पीठ के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके बाद न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने न्यायमूर्ति सौमेन सेन पर राज्य में विशेष राजनीतिक दल के लिए काम करने का आरोप लगाया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने बंगाल में सरकारी मेडिकल कालेजों और अस्पतालों में एमबीबीएस उम्मीदवारों के प्रवेश में कथित अनियमितताओं की सीबीआइ जांच का आदेश दिया था। हालांकि, बंगाल सरकार ने इस आदेश के खिलाफ खंडपीठ का रुख किया, जिसने एकल पीठ के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया। बाद में न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने निर्देश दिया कि खंडपीठ के आदेश के बावजूद सीबीआइ की ओर से जांच जारी रहेगी। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने इसी के साथ अपने आदेश में खंडपीठ का नेतृत्व कर रहे न्यायमूर्ति सौमेन सेन पर बंगाल की एक राजनीतिक पार्टी के लिए काम करने का आरोप लगाया।

ज्ञानवापी परिसर की ...

दाखिल की है। सर्वे की इस रिपोर्ट को अदालत के ही आदेश पर सभी पक्षों को उपलब्ध कराया गया है। यह रिपोर्ट सभी पक्षों को मामले की तैयारी के लिए उपलब्ध कराया गया है लेकिन विरोधी पक्ष ने इसको मीडिया में गलत तरीके से जारी करके इसका लाभ उठाने का प्रयास किया है। उनका कहना है कि यह अदालत की अवमानना का भी मामला बनता है। देश की जनता को सीधे-साधे इस रिपोर्ट के जरिए गुमराह करने की भी कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पूर्व जब सर्वे टीम ने वजूखाने में मौजूद फव्वारे को अपनी रिपोर्ट में शिवलिंग करार दिया था, उस वक्त भी विरोधी पक्ष ने इसका खूब प्रचार-प्रसार किया था और जनता को गुमराह करने की कोशिश की थी।

उस्मानिया यूनिवर्सिटी में ...

किया जाए। वे जो भी समय कहेंगे मैं उसे पूरा कर दूंगी। डीसीपी ने शनिवार को एएनआई से बात करते हुए कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय कैंपस पीजी गर्ल्स हॉस्टल में एक अज्ञात व्यक्ति दीवार फांदकर अंदर घुस आया था। हमें 1:40 बजे एक कॉल मिली और आरोपियों को पहले ही छात्रों ने पकड़ लिया था। कुछ छात्रों ने दावा किया है कि एक लड़की को हॉस्टल के वॉशरूम में एक शख्स को देखा गया था। वो लड़की काफी घबरा गई थी और वहां से तुरंत भाग गई। इस घटना में शामिल तीन लोगों को देखा गया, लेकिन उनमें से केवल एक को पकड़ा गया है। छात्र ने कहा, हम वहां मौजूद बाकी लोगों को भी पकड़ने की मांग कर रहे हैं। कुलपति (वीसी) से मौके पर आने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की गई है। छात्रों ने कहा कि हम यहां 12:30 बजे से बैठे हैं। हम चाहते हैं कि वीसी आएं और हमारी समस्या का समाधान करें और हम सभी के लिए समाधान चाहते हैं। हमारे मुद्दे। सुरक्षा महत्वपूर्ण है। हम जहां रह रहे हैं वहां उचित सुरक्षा चाहते हैं।

सोमनाथ मंदिर की ...

को हटाने और जमीन पर बाड़ लगाकर उसे सुरक्षित करने के लिए काम कर रहे हैं। इस कवायद से पहले, हमने 25 जनवरी को अतिक्रमण किए हुए व्यक्तियों के साथ एक बैठक की थी ताकि उन्हें पूरी प्रक्रिया समझायी जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने अतिक्रमण किए लोगों को उनके घरेलू सामान हटाने में मदद करने के लिए ट्रैक्टर और मजदूरों की उपलब्धता सुनिश्चित की है और उन्हें भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि दो इलाकों में अतिक्रमण था - 700 वर्ग मीटर भूमि पर 21 निर्माण और तीन हेक्टेयर भूमि पर 153 निर्माण। गिर सोमनाथ जिले के पुलिस अधीक्षक मनोहरसिंह जाडेजा ने कहा कि अभियान सुचारू रूप से चले यह सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान शाम तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जमीन सरकार और मंदिर ट्रस्ट की है। दो एसआरपी (राज्य रिजर्व पुलिस) कंपनियां और 500 पुलिस कर्मी यहां तैनात हैं। हमने क्षेत्र के प्रवेश और निकास को सील कर दिया है। आपात स्थिति से निपटने के लिए, अग्निशामकों, त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) की टीम और त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) को तैयार स्थिति में रखा गया है।

संसदीय समितियों को ...

सम्मेलन में शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में 26 पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधानमंडलों में अनुशासनहीनता, कार्यवाही में व्यवधान और असंसदीय आचरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विधानमंडलों की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति व्यक्त करने के लिए गुंजाइश है, इसलिए व्यवधान के माध्यम से विरोध और असहमति नहीं जताई जानी चाहिए। ओम बिरला ने कहा कि विधानमंडलों की प्रतिष्ठा और गरिमा को बनाए रखना और विधानमंडलों में मर्यादापूर्ण आचरण को बनाए रखना सर्वोपरि है। यह चिंता का विषय है कि इन मुद्दों पर आम सहमति होने के बावजूद हम अभी तक सदन के सुचारू कामकाज के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को लागू नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से सदन में अपना समय रचनात्मक कार्यों में लगाने का आग्रह किया। यदि आवश्यक हो तो नियमों में बदलाव करते हुए ठोस और निश्चित कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विधानमंडल बिना किसी व्यवधान के कार्य करें। नवाचार पर जोर देते हुए बिरला ने सुझाव दिया कि विधानमंडलों में काम करने के नए तौर-तरीकों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि लोकतांत्रिक संस्थाएं कार्यपालिका की निगरानी की अपनी जिम्मेदारी को बेहतर ढंग से निभा सकें और लोगों का इन संस्थाओं में विश्वास बढ़े। सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में राज्य विधानमंडलों द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों पर सदन में चर्चा की जानी चाहिए, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसे उपायों से जनता के बीच विधानमंडलों और जन प्रतिनिधियों दोनों की विश्वसनीयता बढ़ेगी। विधायी कार्यों में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देते हुए बिरला ने सुझाव दिया कि जन प्रतिनिधियों को प्रौद्योगिकी में दक्ष होना चाहिए और जनता से जुड़ने के लिए इसका उपयोग करना चाहिए। प्रौद्योगिकी के अधिक से अधिक उपयोग से सदस्यों की दक्षता में वृद्धि होगी। विधानमंडल में सदस्यों की क्षमता निर्माण को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सदस्यों के लिए विधानमंडल के नियमों, विधायी साधनों और प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। ओम बिरला ने राज्य विधानमंडलों से समयबद्ध तरीके से वाद-विवाद के डिजिटलीकरण का आग्रह किया ताकि एक राष्ट्र, एक विधायी मंच की संकल्पना को शीघ्र ही वास्तविक रूप दिया जा सके। लोकतंत्र में संसदीय समितियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए ओम बिरला ने कहा कि संसदीय समितियाँ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कानूनों और नीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय समितियां वास्तव में *मिनी संसद* हैं और वे संसद की ओर से इन कानूनों, नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करती हैं और उन्हें जनता के लिए अधिक उपयोगी बनाती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि संसदीय समितियां सहयोग और समावेशिता की भावना से काम करें, सभी पक्षों के सामूहिक ज्ञान का उपयोग करते हुए रचनात्मक चर्चा संवाद करें और परिणाममूलक बनें।

केंद्र को ममता ...

बंगाल सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र पर राज्य का पीएमएवाई के तहत 9,330 करोड़, मनरेगा के तहत 6,900 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 830 करोड़, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 770 करोड़, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 350 करोड़ रुपये बकाया है। मिड-डे मील भोजन के तहत 175 करोड़ रुपये के साथ ही अन्य योजनाओं का भी बकाया है। इससे पहले 20 दिसंबर को सीएम ममता ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। पीएम मोदी से मिलने के बाद ममता ने कहा था कि केंद्र को पश्चिम बंगाल को एक लाख 16 हजार करोड़ देना है। ममता ने कहा कि इस दौरान पीएम ने कहा कि इस पर केंद्र और पश्चिम बंगाल के अधिकारियों के बीच संयुक्त बैठकें होंगी। उनके और हमारे ऑफिसर आपस में मीटिंग करेंगे। फिर वो तय करेंगे कि बकाया पैसा कैसे दिया जाए।

मणिपुर में एक यूएनएलएफ उग्रवादी सहित छह लोग गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने एक यूएनएलएफ उग्रवादी सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने आज औपचारिक सूचना दी है कि इंफाल पश्चिम से लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सामने गोलीबाड़ी की घटना में शामिल यूएनएलएफ संगठन के एक सदस्य सहित छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों के कब्जे से तीन जिंदा कारतूस, एक सफेद बोलेरो और नौ मोबाइल फोन तथा गोली से भरी एक 9 मिमी की पिस्तौल जब्त की गई। जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

डिब्रूगढ़ में पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असम के डिब्रूगढ़ जिले के शिक्षा वैली स्कूल में 28 जनवरी से 01 फरवरी तक 8वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और एल्डर्स का सम्मेलन आयोजित किया गया है। पांच दिवसीय इस सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन का आयोजन इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटरकल्चरल स्टडीज

(आईसीआईएस) के तत्वावधान में किया गया है। डिब्रूगढ़ में शनिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आईसीसीएस के डॉ. रतन शारदा ने बताया कि इस सम्मेलन में 33 से अधिक देशों के लगभग 300 प्रतिभागी अपने आध्यात्मिक ज्ञान को साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि 28 जनवरी को उद्घाटन सत्र को सरसंघचालक डॉ. भागवत और मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा संबोधित करेंगे। सम्मेलन का समापन 01 फरवरी को होगा।

साइकिल रैली के माध्यम से रंगिया छात्र संस्था ने किया विरोध-प्रदर्शन

रंगिया (विभास)। अखिल असम छात्र संस्था के आह्वान पर आज रंगिया आंचलिक छात्र संस्था ने असम सरकार द्वारा माध्यम पर लिए गए निर्णय के विरोध में एक साईकिल रैली का आयोजन कर इसका विरोध प्रदर्शन किया। रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष मृन्मय कुमार डेका और संयुक्त सचिव नवज्योति कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने *असम सरकार हाय हाय, मातृभाषा माध्यम को नष्ट करने की साजिश स्वीकार नहीं की जाएगी* और *शिक्षा विभाग हाय हाय* जैसे नारे लगाए। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के मुख्य सचिव तौफीकुर रहमान ने कहा कि कि

असम सरकार मातृभाषा माध्यम को नष्ट करने की कोशिश कर रही है, जोकि दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पांचवीं कक्षा तक और भविष्य में आठवीं कक्षा तक मातृभाषा माध्यम से पाठ ग्रहण की पोषकता करती है। केंद्रीय सरकार भी मातृभाषा माध्यम को बढ़ावा देने और प्रसारित करने के लिए भी कदम उठाए हैं। मातृभाषा माध्यम के खिलाफ राज्य सरकार का रुख अस्वीकार्य है। हम असमिया माध्यम को नष्ट करने की साजिश को स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि अन्यथा छात्र और उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

रूपीहाट में अल्फा (स्वा) का कैडर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) स्वाधीन (स्वा) के सदस्य को गणतंत्र दिवस की देर रात नगांव जिला के रूपहीहाट से गिरफ्तार किया गया। स्वयंभू अल्फा (स्वा) कैडर फखरउद्दीन को संगठन के नाम पर पैसे मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अल्फा (स्वा) का कैडर फकरउद्दीन को 50 लाख रुपए मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। फकरउद्दीन ने रुपीहाट के घेहुआ सलसली निवासी सुपारी कारोबाड़ी अब्दुल हाशिम के व्हाट्सएप पर 50 लाख रुपए की मांग की थी। पैसे का भुगतान नहीं करने पर अब्दुल हाशिम के दोनों बेटों को गोली मारने की व्हाट्सएप पर धमकी दी थी। व्यवसायी अब्दुल हाशिम ने घटना के संबंध में रूपीहाट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। रुपीहाट पुलिस ने स्वयंभू अल्फा (स्वा) कैडर फकरउद्दीन को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल रूपीहाट पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

शातिर गैंडा शिकारी गिरफ्तार, गैंडा की सींग बरामद

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में मारे गए इस वर्ष के पहले गैंडे की सींग को गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात के महुरामुख से बरामद कर लिया गया है। गैंडे की हत्या में शामिल शातिर शिकारी जागो पेगू को उसके आवास से गिरफ्तार किया गया है। ज्ञात हो कि गत 22 जनवरी को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के अगरातली वन रेंज में मकलुंग वन शिविर के पास शिकारियों ने इस वर्ष में पहले गैंडे की हत्या करने के बाद से लापता हो गया था। घटना के बाद पुलिस और वन विभाग ने अपनी जांच जारी रखी। सूत्रों ने आज बताया है कि पुलिस के विशेष सूत्रों के आधार पर बोकाखात

के दिसै ग्राम पंचायत के बरबाली गांव निवासी एक तस्कर जागो पेगू (35) को बीती रात छापामारी के दौरान गिरफ्तार किया गया। शिकारी जागो पेगू ने मारे गए गैंडे की सींग को अपने घर के पिछले हिस्से में जमीन के नीचे छुपा रखा था। पुलिस और वन विभाग के कर्मियों ने अभियान चलाया और गैंडे की सींग के साथ ही अन्य सामग्री बरामद करने में कामयाबी हासिल की। साथ ही गैंडे को मारने में इस्तेमाल किए गए एक एके-47 रायफल, मैगजीन, 13 राउंड सक्रिय गोलियों के साथ-साथ गैंडे को मारने में इस्तेमाल किए गए कई उपकरण भी बरामद किए गये। इसे तब जब्त किया गया जब इसे कमारगांव पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आफला गांव नंबर-1 में हरेन कामान के घर में छिपाया गया था। गोलाघाट के एसपी राजेन सिंह और वन विभाग के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने बीती रात को अभियान चलाया गया था। वर्तमान में, बोकाखात पुलिस गैंडे के अवैध शिकार की जांच कर रही है और गैंडे के अवैध शिकार में शामिल अन्य लोगों के बारे में पता लगाने में जुटी हुई है।

पिकनिक पार्टी पर हमला करने के आरोप में छह आरोपी गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। दरंग जिला मुख्यालय शहर मंगलदै पुलिस ने छापेमारी कर छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात को मोआमारी में पिकनिक पार्टी पर हुए हमले में शामिल मंगलदै के निकटवर्ती बागपारी निवासी छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में बाबुल अली, मतलेब अली, मालेक अली, आमिर, हामिद अली शामिल हैं। मंगलदै पुलिस ने बीती रात में दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल मंगलदै सदर थाने में पूछताछ चल रही है।

अग्रवाल महिला समिति, विहिप महानगर और मायुमं अमृत शाखा ने मनाया 75वां गणतंत्र दिवस

गुवाहाटी (विभास)। अग्रवाल महिला समिति ने 75वां गणतंत्र दिवस आमबाड़ी स्थित शिशु विद्यालय में मनाया। इसमें आमबाड़ी फटाशिल के क्लस्टर सीआर सीसी रामेश्वर शर्मा ने झंडा रोहण किया। साथ ही अध्यक्ष मीना पोद्दार और विद्यालय की प्रधानाचार्य के साथ-साथ सभी अध्यापिकाओं ने हिस्सा लिया। झंडा रोहण के पश्चात राष्ट्रीय गीत तथा बच्चों ने देशभक्ति गीत गाए। बच्चों के बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी रखी गई। बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। साथ ही संस्था द्वारा बच्चों को मिठाई और उपहार दिए गए। सचिव सुनीता सराफ के साथ-साथ संयोजिका अनीशा अग्रवाल और मंजू गोयल का सहयोग रहा। दूसरी ओर विपिहन की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी अमृत शाखा ने विश्व हिंदू परिषद के साथ मिलकर राजहुवा नामघर, नारयण नगर में ध्वजारोहण का कार्यकम किया। ध्वजारोहण में विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष शुभराम बोरा एवं उनके सभी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ के विभाग प्रचारक अतुल देशपांडेय एवं उनके सदस्य, शाखा के सलाहकार अमित कुमार कंसल एवं समाजसेवी मनोज लोढा उपस्तिथ थे। शाखा के कार्यवाहक अध्यक्ष राहुल जैन ने स्वागत संबोधन में सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी एवं सविधान के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी। सभी सदस्यों का तिरंगा दुप्पटा से सम्मान किया गया एवं विशेष अतिथियों का असमिया फूलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव अनित बिहानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए अल्पाहार की भी व्यस्था की गई। ये जानकारी शाखा के जनसम्पर्क अधिकारी सुनीता जैन ने दी।

24वीं वाहिनी एसएसबी, रंगिया का गणतंत्र दिवस आयोजित

रंगिया (विभास)। 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रंगिया द्वारा गणतंत्र दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान जसबीर सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी 24वीं वाहिनी एसएसबी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया व सलामी गार्ड द्वारा राष्ट्रीय झंडे को सलामी दी गई। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभी बल कर्मियो को महानिदेशक (सशस्त्र सीमा बल) से प्राप्त गणंतत्र दिवस के बधाई संदेश को पढ़कर सुनाया व सभी कार्मिकों को प्रोत्साहित किया और उन्हें गणतंत्र दिवस की बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने सभी को अवगत कराया कि आज का यह दिन हमारे लिए गर्व का विषय है क्योकि आज श्री दीपक सिहं, कमांडेंट 24 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया को उनके विशिष्ट

एवं अनुकरणीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक से सम्मानित करने के साथ ही हमारे वाहिनी के 11 बल कार्मिको को डीजी डिस्क से भी सम्मानित किया गया है। उन्होने कहा कि यह हमारे बल कार्मिको के परिश्रम का फल है, इसी क्रम में 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर रंगिया उच्चत्तर माध्यमिक खेल मैदान प्रांगण में आयोजित एक समारोह में विद्यार्थियों व नागरिकों के लिए हथियारो की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। साथ ही अमीनगांव, गुवाहटी में अन्य बलो के साथ 24 वीं वाहिनी रंगिया द्वारा गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया गया। जहां 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया की परेड को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

ऐतिहासिक बीटीआर शांति समझौता के चार वर्ष पूर्ण आबसू ने निकाली शांति रैली

कोकराझार(हिंस)। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आबसू, यूबीपीओ, एनडीएफबी द्वारा 27 जनवरी, 2020 को हस्ताक्षरित ऐतिहासिक बीटीआर शांति समझौता को आज चार वर्ष पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर शनिवार को आबसू की पहल पर बीटीआर के मुख्यालय कोकराझाड़ के बोडोफा नोगर स्थित ग्रीन फील्ड में बोड़ो शांति समझौते का जश्न मनाने के लिए एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। आबसू के अध्यक्ष द्विपेन बोड़ो ने बीटीआर समझौते की चौथी वर्षगांठ समारोह से पहले दोतमा के थुलुंगपुरी में बोडोफा की समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद कोकराझाड़ के राजकीय उच्चतर माध्यमिक एवं बहुउद्देशीय विद्यालय के खेल मैदान से ग्रीन फील्ड तक शांति रैली निकाली गई।

152वीं वाहिनी ने धूमधाम से मनाया गणतंत्रता दिवस

ग्वालपाड़ा। ग्वालपाड़ा स्थित 152वीं बटालियन केरिपु बल के वाहिनी मुख्यालय में जवानों ने हर्षोल्लास के साथ 75वां गणतंत्रता दिवस मनाया। इस मौके पर सर्वप्रथम बटा. के कमांडेंट लव कुमार, पीएमजी ने क्वार्टर गार्ड पर सलामी लेकर हमारे देश की आन बान शान तिरंगा फहराए जिसमें वाहिनी मुख्यालय के सभी अधिकारीगण एवम जवानों ने भाग लिया। तदोपरांत जेटीएस मैदान, ग्वालपाड़ा में परेड मार्च प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें ग्वालपाड़ा जिले के स्थानीय पुलिस, स्कूली बच्चे एवम 152 बटा. ने भाग लिया जिसमें 152 बटा. ने प्रथम श्रेणी प्राप्त किया। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवम बड़ा खाना का आयोजन किया गया साथ ही 152 बटा. के परिचालन क्षेत्र में वीर शहीद महबुल इस्लाम, 26 बटा. के माता पिताजी एवम शहीद बब्लू राभा, 210 बटा. के परिवारजनों को आमंत्रित कर विशेष उपहार भेंट से सम्मानित किया गया, कार्यक्रम में वाहिनी के सभी जवानों ने हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम का लुप्त उठाया।

जिस भूमि पर साक्षात तीर्थंकर भगवान का पंचकल्याणक होता है वह भूमि तीर्थ हो जाती है : आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज

गुवाहाटी। पंचकल्याण महोत्सव का दूसरा दिन गर्भ कल्याणक के रूप में बनाया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को इसकी महत्ता के बारे में बतलाते हुए कहा कि हमारा भारत गर्भपात की विकृति को अपनाने के कारण ही गर्त में चला गया है। क्योंकि हम पश्चात्य संस्कृति तार से जुड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर प्रभु का ही गर्भ कल्याणक मनाया जाता है, क्योंकि पूर्वभर्वो में उन्होंने सोलह- कारण भावना पढ़कर तीर्थंकर मुक्ति का बंध किया था। आचार्य श्री ने कहा गर्भकल्याण

महोत्सव सबको गर्व के साथ स्वीकार करना चाहिए, जिससे हमारा भी मर्म कल्याणक हो। इस मौके पर संध्याकालीन आरती करने का सौभाग्य सुरेंद्र कुमार- प्रीति देवी छाबड़ा परिवार एवं अजय कुमार- रूपा देवी रारा परिवार को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर समेत पुरे भारत से श्रद्धालु पहुंचे हैं। इससे पूर्व प्रथम दिन पंचकल्याणक का प्रारंभ घट यात्रा व ध्वजारोहण के साथ हुआ। श्री दिगंबर जैन पंचायत, गुवाहाटी के तत्वाधान में आयोजित इस समारोह में आचार्य श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहां की पंचकल्याणक में पांच महोत्सव होते हैं जन्म,गर्व, तप, ज्ञान, मोक्ष कल्याणक। यह पांचो महोत्सव उसी के होते हैं, जो पांचो पापों से बचते हैं। ऐसे जीव पंच परावर्तन पूर्ण करके पंचम गति के मेहमान बनते हैं। उन्होंने कहा कि नर से नारायण, पशु से परमेश्वर, कंकर से शंकर, शंकर से तीर्थंकर की यात्रा का नाम है पंचकल्याण। जिस भूमि पर साक्षात तीर्थंकर भगवान का पंचकल्याणक होता है वह भूमि तीर्थ हो जाती है। तीर्थंकर भगवान की शाश्वत जन्मभूमि इस काल की अयोध्या है और मोक्ष भूमि सम्मेद शिखर है। उन्होंने कहा कि इस भूमि का पुण्य तीव्र उदय है जो यहां पंचकल्याण की महापूजन होने जा रही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम 22 जनवरी को अपने महल- मंदिर में विराजमान हो गए हैं। वैसे ही सूर्य पहाड़ के भगवान आदिनाथ भी अपनी वैदियों-सिंहासनों पर विराजमान होने जा रहे हैं। इससे पूर्व ध्वजारोहन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

जेमा के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन ने प्रथम चरण में सरकारी दिशा निर्देश की अनुपालना करते हुए अध्यक्ष नवल सारडा एवम सचिव साकेत राज पुगलिया के नेतृत्व में 19 तारीख को काला पहाड़ कॉलोनी बाजार स्थित शिव मंदिर की पूर्ण जागरूकता के साथ साफ सफाई की गई एवं मंदिर को पूरी लाइटिंग के साथ सजाया गया। इस कार्य को संपादित करने में संस्था के सामाजिक एवं स्वास्थ्य सलाहकार अशोक सेठिया एवं संयोजक दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में विजय डागा एवं अतुल चौरड़िया का सराहनीय सहयोग रहा। दूसरे चरण में 22 तारीख को टीएन टावर स्थित संस्था के कार्यालय में कार्यक्रम रखा गया जिसमें लगभग 1200 पैकेट बुंदिया के प्रसाद के रूप में वितरित किए गए एवं संध्या के समय दीपक प्रज्वलित कर भगवान श्री राम के आगमन का स्वागत उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर को यादगार बनाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक मार्केट टी एन टावर को रोशनी के साथ सुसज्जित किया गया एवं भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा को यादगार बनाया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों में काफी उत्साह देखा गया एवं सभी आपस में एक दूसरे को बधाई देते हुए नजर आए। पूरा कार्यक्रम सामाजिक तथा स्वास्थ्य संयोजक दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष प्रमोद मोर, सलाहकार राजकुमार धनुका, कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया, सह सचिव अनिल दुगड़ एवम अभिषेक केजरीवाल, कार्यकारी सदस्य कमल अग्रवाल, रोहित सुराना, सौरभ बोथरा, राजेश सोनी, पंकज लड्ढा एवं राकेश जैन का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस आशय की जानकारी उपाध्यक्ष (प्रथम) गोपाल पसारी ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के। माध्यम से दी।

सम्मेलन शाखाओं की संयुक्त भागीदारी ने गणतंत्र दिवस पर मचाई धूम

गुवाहाटी (विभास)। 75वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर चाबीपुल स्थित सरकारी एल पी स्कूल के खेल प्रांगण में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा तथा मारवाड़ी एकता मंच के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा एवं अन्य वरिष्ठ जनों ने राष्ट्रीय ध्वज को फहराकर, झण्डे को सलामी दी, सामुहिक राष्ट्र गान के पश्चात स्कूल के बच्चों ने देश भक्ति कविताओं का पाठ किया। उपस्थिति सभी बंधुओं को तिरंगा दुपट्टा पहना कर स्वागत अभिनंदन किया गया। मारवाड़ी एकता मंच की अध्यक्षा सरोज मित्तल, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष शंकर बिड़ला ने अध्यक्षीय उद्बोधन में गणतंत्र दिवस की शुभेच्छाओं के साथ संयुक्त रूप से सम्मेलन की सभी शाखाओं द्वारा आयोजन को,

उपल्बिध की संज्ञा से नवाजते हुये प्रांतीय नेतृत्व के सुझाव की सराहना की। दिनेश गुप्ता ने संयुक्त भागीदारी से आपसी प्रेम, प्यार, समन्वय तथा भाईचारे में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है तथा आगे भी इसे जारी रखते हुए स्वतंत्रता दिवस, स्थापना दिवस एवं गणतंत्र दिवस संयुक्त रूप से करने की घोषणा की। जिसका गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष शंकर बिड़ला ने समर्थन किया। प्रांतीय पदाधिकारियों में प्रांतीय संयोजक प्रदीप भुवालका, मंडलीय सहायक मंत्री माखनलाल अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त मंत्री पंकज पोद्दार, मनोज काला, प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने अपने अपने अंदाज में सदन को सम्बोधित करते हुए शुभेच्छायें दी। देश भक्ति गीतों का सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज किया सरोज मित्तल ने। उनके बाद शंकर बिड़ला, कामरूप शाखा के संस्थापक अध्यक्ष सम्पत मिश्र, मंजू लता शर्मा, गायिका संतोष शर्मा, यश बोथरा, सुप्रसिद्ध गायक कलाकार जनरैल सिंह आदि ने देश भक्ति गीतों से सभी को नाचने पर मजबुर कर दिया। कार्यक्रम सुबह से धाराप्रवाह के साथ दोपहर तक निरंतरता से जारी रहा। सभी शाखाओं की और से कामरूप शाखा के मंत्री संजय खेतान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के पश्चात महाप्रसाद का आयोजन किया गया। जिसका सदस्यों के अलावा सैकड़ों राहगीरों ने लाभ उठाया।

आरोपी को पकड़ने गए पुलिसकर्मियों पर हमला

धुबड़ी (हिंस)। आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंचे पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया है। घटना जिले के फकीरगंज थाना अंतर्गत बांदीहाना पुलिस चौकी क्षेत्र के चिरखोवा पंचम खंड गांव की है। पुलिस ने बताया कि बांदीहाना पुलिस चौकी के तीन पुलिसकर्मियों पर उस समय हमला किया गया जब वे एक आरोपी को पकड़ने गए थे। जानकारी के अनुसार चिरखोवा पंचम खंड गांव के अब्दुल लतीफ के पुत्र अलाउद्दीन के विरुद्ध फकीरगंज थाने में वर्ष 2014 में आईपीसी की धारा 147/447/336/323/354/149 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले के तहत बीती रात पुलिसकर्मी अलाउद्दीन को गिरफ्तार करने पहुंचे थे। अलाउद्दीन को गिरफ्तार कर लिया गया और लौटते समय लगभग दो सौ लोगों ने पुलिस पर हमला कर अलाउद्दीन को पुलिस से जबरन छुड़ा लिया और तीनों पुलिसकर्मियों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

संपादकीया

हम पूर्ण हैं कहां

पूर्ण राज्यत्व की सौगंध खाते हुए आधी सदी गुजर गई, लेकिन हम घोषणा व संकल्प के बीच सीधा रास्ता नहीं चुन पाए। इसके ऐवज में हमारी लड़ाइयां बढ़ गईं तो अदालतें बढ़ा दी गईं। ग्रामीण आर्थिकी तहस-नहस हो गई, लेकिन पंचायत का चुनाव महंगा और छप्पर को छप्पर से लड़ाने की तस्वीर हो गया। जागरूक हिमाचलियों के तमगे ने सामूहिकता और सामुदायिक भावना के सारे छोर छीन लिए, अलबत्ता हमने नदी से किनारे, बावड़ी से जल स्रोत और कूहल से उसकी रफ्तार छीन ली। ऐसे में क्या रियासतों का हिमाचल बेहतर था जहां जनता खुद त्योहार बुनती थी या जहां साझी रसोई का धुआं मंडी की प्रदक्षिणा करता था। क्या सुजानपुर के मैदान या चंबा के चौगान जैसा कोई और मैदान हम इन पचास सालों में बना पाए। क्या कांगड़ा चाय के बागान को बढ़ा पाए। आज भी भूरिसिंह, कांगड़ा या राज्य संग्रहालय की चाक चौबंद दीवारों के भीतर कहीं कांगड़ा कलम चीख रही है या राज्य का कलात्मक माहौल कहीं गुम है। शोर बहुत है नगाड़ों का, लेकिन खबर इन पर पाबंदी की है। बेशक एक नए हिमाचल की कसरतों के हमने बीज बोए, उगाए और काटे भी, मगर हमारे कृषि-बागबानी विश्वविद्यालय अब आयातित अनुसंधान की शाखाओं पर किसान-बागबान की जन्मपत्री देख रहे हैं। किसान देश की जन्मपत्री में किसान निधि के छह हजार रुपयों पर पल रहा है और खेत में वानर नृत्य मशहूर हो गया। अगर यही हमारे राज्य की संपूर्णता है, तो कोई खोज कर बताए कि बड़सर का गुड़ और शक्कर कहां चली गई। कहां चली गई बगली की बासमती की खुशबू और कहां भटक गया घुमारवीं का जिमीकंद। अब भरमौर-बिलासपुर की मक्की के बीज नदारद हैं और सिरमौर का अदरक गंजा हो गया। न रहे गन्ने के खेत और नहीं बचे खेत की मुंडेर पर खिलते हुए चकोतरे और माल्टे। अब कहां बची किन्नौर की पट्टी और सिरमौर का लोइया, हर हिमाचली की चमड़ी पर चढ़ गया पावरलूम का नशा। तिरस्कृत सत्तू ने पिज्जा को हलाल किया, तो अम्मा की लोरियों पर शगुन बन कर और डीजी के शोर में नाटी गुम है। हम पूर्ण नहीं, बल्कि लंबे हो गए। कभी देखी होंगी जेएनआरएम की लंबी गाडियां उन्हीं छोटी सडक़ों पर जो बताती हैं कि ये मूंछें घास की नहीं, हमारी तरक्की की नाक हैं। और यही तरक्की की नाक राजनीति के मतवालों ने जब धारण की तो हर सत्ता एक दुकान, खुशफहमी की दीवार और प्रशंसकों की भीड़ में भ्रम की दरबार हो गई। क्या हम 75 हजार करोड़ का उधार उठाकर कभी पूर्ण हुए। क्या हम जरूरत से अधिक घाटे के सरकारी उपक्रम चलाकर पूर्ण हुए। क्या हम लगातार सरकारी कर्मचारियों के वेतन-भत्तों पर मेहरबान होकर राज्य को पूर्ण बना पाए। वर्षों तक या आज भी राज्य की नियमावली की कठोरता निजी क्षेत्र की बांह मरोड़ कर सोच रही कि इस तरह आत्मनिर्भरता लायक धन बटोर लेगी। मजेदार बात यह कि हम शराब का छबील लगाकर सरकारी खजाने को ताकत दे रहे हैं। विभागीय लक्ष्यों में धनोपार्जन की विधियों में कुछ विभाग महती योगदान को उतारू रहते हैं, जबकि बिना पार्किंग सुविधा के आनलाइन जुर्माने की झड़ी लगाकर पुलिस बटोर लेती है खासा धन। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड दरअसल निजी उद्योग धंधों को परास्त करने की ऐसी छड़ी है, जो कभी घाव देने से रुकती नहीं। तीसरा खजाना खनन है, जो हिमाचल की दोपहरी में अंधेरों की कालिख लिए प्रदेश को खोद रहा है। आश्चर्य यह कि हर सरकार निजी निवेश की अलंबरदार बन कर खड़ी रही, लेकिन मोर्चे पर आकर सारा तूफान हार गया। हमने अपने युवा को सरकारी नौकर बनना सिखा दिया और यही घोषणा हमारे पूर्ण राज्यत्व की निशानियों में सबसे चमत्कार चुंबक की तरह हमें खींच रही है। बदलने में कोई ऐसा संकल्प नहीं जो जीना सिखा सके। स्वाभिमान सिखा सके। कर्जमुक्त हिमाचल को राह दिखा सके। किफायत से सरकारी खर्च उठाना सिखा सके। इस दौरान हमने तो अपनी बोली और अपनी संस्कृति तक छोड़ दी। हिमाचल को हिमाचल तक पहुंचाने के लिए कई रियासतें और पंजाब पुनर्गठन से आकर मिले पर्वतीय क्षेत्रों का श्रम रहा, लेकिन आज तक हम बोलियों और अलग-अलग धामों में बंटे पहाड़ी हैं। क्या हमारी एक धाम, एक नृत्य और एक भाषा का संकल्प पूरा नहीं हो सकता। क्या हम एक पूर्ण प्रदेश के तत्वों को सहेज कर समृद्ध बना सके। क्या हमने ऐसी राजनीति और सुशासन का शृंगार किया जो सिरमौर से भरमौर और चन्नौर से किन्नौर तक एक सरीखी बात कर सके तथा राज्य के एक संकल्प को साध सके। नहीं, अभी भी हम बिखरे और अपनी-अपनी उधेड़बुन में खुश हैं कि कांगड़ा के गद्दियों को ट्राइबल स्टेटस और गिरीपार भी इसी सीमा में प्रवेश कर गया। हम हिमाचल की गलियां बना कर कैसे पूर्ण होंगे, कोई इसका उत्तर नहीं जानता।

आज भी भूरिसिंह, कांगड़ा या राज्य संग्रहालय की चाक चौबंद दीवारों के भीतर कहीं कांगड़ा कलम चीख रही है या राज्य का कलात्मक माहौल कहीं गुम है। शोर बहुत है नगाड़ों का, लेकिन खबर इन पर पाबंदी की है। बेशक एक नए हिमाचल की कसरतों के हमने बीज बोए, उगाए और काटे भी, मगर हमारे कृषि-बागबानी विश्वविद्यालय अब आयातित अनुसंधान की शाखाओं पर किसान-बागबान की जन्मपत्री देख रहे हैं। किसान देश की जन्मपत्री में किसान निधि के छह हजार रुपयों पर पल रहा है और खेत में वानर नृत्य मशहूर हो गया। अगर यही हमारे राज्य की संपूर्णता है, तो कोई खोज कर बताए कि बड़सर का गुड़ और शक्कर कहां चली गई। कहां चली गई बगली की बासमती की खुशबू और कहां भटक गया घुमारवीं का जिमीकंद। अब भरमौर-बिलासपुर की मक्की के बीज नदारद हैं और सिरमौर का अदरक गंजा हो गया।

वाल्मीकि महाराज स्वयं अपनी राम कथा में बार-बार यह बताते रहते हैं

आखिर राम अपने पैतृक घर पहुंच गए

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

रामचंद्र जी को परिवार की भीतरी कलह के कारण अयोध्या का राज्य मिलते-मिलते रह गया था। वे चाहते तो अपने पिता की आज्ञा का उल्लंघन भी कर सकते थे। परिवार के भीतर ही उन्हें कुछ ने ऐसा ही करने की सलाह भी दी थी। लेकिन रामचंद्र जी ने राज्य त्याग दिया और पुत्र धर्म का पालन किया। उनकी अद्र्धांगिनी सीता जी को उनके साथ वनों में जाने की कोई जरूरत नहीं थी। लेकिन वे भी राज महल त्याग कर अपने पति के साथ बनवास में ही रहीं। उन्होंने अपने स्त्री धर्म का पालन किया। राम का जीवन आदर्श जीवन कहा जा सकता है।

नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा कि राम अपने घर में पहुंच गए हैं। मैं जिस राम की बात कर रहा हूं, वे वाल्मीकि के लौकिक राम हैं जिन का अयोध्या में महाराज दशरथ के घर में माता कौशल्या के गर्भ से नवमी के दिन जन्म हुआ था। वे सूर्यवंश से ताल्लुक रखते थे और महाराजा रघु के कुल से होने के कारण रघुवंशी भी कहे जाते थे। रामचंद्र जी को परिवार की भीतरी कलह के कारण अयोध्या का राज्य मिलते-मिलते रह गया था। वे चाहते तो अपने पिता की आज्ञा का उल्लंघन भी कर सकते थे। परिवार के भीतर ही उन्हें कुछ ने ऐसा ही करने की सलाह भी दी थी। लेकिन रामचंद्र जी ने राज्य त्याग दिया और पुत्र धर्म का पालन किया। उनकी अद्र्धांगिनी सीता जी को उनके साथ वनों में जाने की कोई जरूरत नहीं थी। लेकिन वे भी राज महल त्याग कर अपने पति के साथ बनवास में ही रहीं। उन्होंने अपने स्त्री धर्म का पालन किया। राम का जीवन आदर्श जीवन कहा जा सकता है। वाल्मीकि महाराज स्वयं अपनी राम कथा में बार-बार यह बताते रहते हैं। ऐसे श्री रामचंद्र जी हमारे पूर्वज थे। वे केवल हमारे ही पूर्वज नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने शासन काल में जो राज काज के मानदंड स्थापित किए, वे आज भी दुनिया भर के आदर्श कहे जा सकते हैं। अयोध्या में हज़ारों साल से हमारे पूर्वज श्री रामचंद्र जी का स्मृति स्थल बना हुआ था। वह स्मृति स्थल सारे देश को प्रेरणा व ऊर्जा देता था। श्री राम भारत के मानस की अभिव्यक्ति थी। विदेशियों ने भारत के शरीर और मानस दोनों को ही तोडऩे की कोशिश की। बाबर ने पानीपत की लड़ाई में भारत के शरीर को घायल किया और उसके बाद द्वितीय चरण में अयोध्या में भारत के मानस पर प्रहार किया। मानस पर प्रहार के लिए उसे किसी ऐसे प्रतीक की जरूरत थी जो समन्वित रूप से भारतीय आत्मा के जुड़ा हुआ हो। अयोध्या में श्री रामचंद्र जी के स्मृति स्थल/मंदिर से बेहतर प्रतीक कौन सा हो सकता था? बाद में मुगल इतिहासकारों ने लिखना शुरू कर दिया कि मीर बाकी ने वहां मस्जिद का निर्माण करवाया। यह ठीक इतिहास नहीं है। यदि बाबर की मंशा मस्जिद बनाने की होती, तो वह अयोध्या में कहीं भी मस्जिद बनवा सकता था। वहां वह और मध्य एशिया से आए उसके सैनिक नमाज़ भी पढ सकते थे। लेकिन उसका उद्देश्य मस्जिद बनाना नहीं, बल्कि राम का मंदिर/घर गिरा कर भारतीय मानस को घायल करना था। जब मंदिर गिरा तो उसी के मलबे से जो ढांचा खड़ा किया था, उसको

मध्य एशिया के इतिहासकारों, अंग्रेज़ इतिहासकारों और बाद में कम्युनिस्ट इतिहासकारों ने भी बाबरी मस्जिद कह कर प्रचारित करना शुरू कर दिया। मुगलों, अंग्रेज़ों की सत्ता समाप्त हो जाने के बाद, भारतीयों ने 'भारत' के शरीर और मानस पर उस दौर में जो घाव हो गए थे, उनकी मरहम पट्टी शुरू की। इसके सबसे बड़े शल्य चिकित्सक सरदार पटेल थे। उन्होंने बिना समय गंवाए सोमनाथ से यह काम चालू कर दिया। लेकिन भारतीयों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब 'भारतीय आत्मा' से कट चुके कुछ भारतीय सत्ताधारियों ने ही उसका विरोध करना शुरू कर दिया। दुर्भाग्य से पटेल जल्दी ही गोलोकवासी हो गए। लेकिन भारतीयों ने सामूहिक रूप से मरहम पट्टी का यह काम जारी रखा। उस शल्य चिकित्सा में बाबर द्वारा अयोध्या में बनाए गए एक ढांचे को गिराना भी शामिल था। लेकिन यह किसी मजहब के इबादत खाने को गिराने का मामला नहीं था। यह आक्रमणकारियों द्वारा फैलाए गए प्रदूषण को साफ करने का मामला था। लेकिन भारत में रह रहे एटीएम यानी अरब, तुर्क और मुगल मूल के मुसलमानों ने इसे अपने पूर्वजों द्वारा भारत की विजय को अब पराजय में बदलने की क्रिया के रूप में माना। वे समझ तो गए कि भारत में अब अरबो, तुर्कों और मुगलों का युग बीत चुका है। जवाहर लाल नेहरू भी अब नहीं हैं। इसलिए बाबर की स्मृतियों को संभालने के लिए भारत के देसी मुसलमानों को मैदान में उतारना पड़ेगा। इसलिए जब बाबर की इस निशानी को जब गिराया गया, तो एटीएम के लोगों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया कि बाबरी मस्जिद गिरा दी गई है, इससे भारत का मुसलमान आहत हो गया है। भला भारत के देसी मुसलमान का बाबर से क्या रिश्ता है? मध्य एशिया से आए हुए कुछ गिनती के मुसलमानों को छोड़ कर, जो अपने आप को बाबर के वंशज कह सकते हैं, शेष मुसलमान तो यहीं के देसी मुसलमान है, उनका राम से संबंध है न कि बाबर से। तो वे बाबर के बनाए ढांचे के गिरने से नाराज़ या आहत क्यों होंगे? वे हुए भी नहीं, बल्कि अपने वक्त में उनके पूर्वज तो उस समय दु:खी हुए होंगे जब बाबर के सैनिक राम का मंदिर गिरा रहे होंगे। मोटे तौर पर भारत के देसी मुसलमान इस बार एटीएम के झांसे में नहीं फंसे। अयोध्या में बना वह बाबरी ढांचा गिरा तो सभी को लगा कि अब जल्दी ही रामचंद्र जी की स्मृति में पुराना मंदिर एक बार फिर साकार हो जाएगा। लेकिन हद तो तब हो गई जब राम नवमी की छुट्टी देने वाली भारत सरकार ही चिल्लाने लगी कि अयोध्या में रामचंद्र नाम का कोई व्यक्ति कभी पैदा ही नहीं हुआ था। यह सब काल्पनिक कहानी है। इतना साहस तो बाबर और उसके बाद के मध्य एशिया के हमलावर भी नहीं कर सके थे। यदि राम काल्पनिक होते तो बाबर की सेना को भारत में उनकी स्मृति से जुड़े स्थानों को गिराने की जरूरत ही नहीं थी। अरब देशों और तुर्कों ने भी चीखना चिल्लाना शुरू किया। इससे एटीएम भारत में और ज्यादा ज़ोर से ढोल पीटने लगा। लेकिन इससे एक लाभ भी हुआ। भारत का देसी मुसलमान समझ गया कि इस देश में रह रहा अरब, तुर्क और मुगल मूल का मुसलमान अपने आपको भारत के देसी मुसलमान से नहीं जोड़ता, बल्कि अपने आप को विदेश के अरब और तुर्क के ज्यादा नज़दीक मानता है। वह अभी भी अपने आप को भारत को जीतने वाले विदेशियों से जोड़ता है। देसी मुसलमानों ने स्वीकार किया कि हमारे पुरखे तो इसी देश के रहने वाले थे। उन्होंने अपना मजहब बदला था, राष्ट्रीयता नहीं। भारत के देसी मुसलमानों ने राम के मामले में पहली बार एटीएम के सैयदों के आदेश को मानने से इंकार कर दिया। यही कारण है कि भारत का देसी मुसलमान अयोध्या में राम के आने पर बाकी देशवासियों के साथ जश्न मना रहा है। श्रीनगर तक में लाल चौक पर वे मुसलमान जिन के पूर्वजों ने कभी मजहब बदल लिया था, राम के अयोध्या आने पर बधाइयां देते देखे गए। पांच सौ साल बाद राम अयोध्या में वापस आए हैं, यह निश्चय ही भारतीय अस्मिता के पुनः जागरण के काल के उदय का संकेत है। नरेंद्र मोदी ने सही कहा है। यह अवसर किसी फिरके की जीत या किसी फिरके की हार का नहीं है। बल्कि यह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत है।

दृष्टि कोण

विपक्षी गठबंधन का हवाई किला इतनी जल्दी ढहने की उम्मीद किसी को नहीं थी

इंडी गठबंधन के बारे में राजनीति की समझ रखने वाले अधिकतर व्यक्तियों के अनुमान सही साबित हुए। गठबंधन की पहली बैठक के बाद से ही उसके भविष्य के बारे में जो कुछ कहा जा रहा था, वो शब्दशः धरती पर उतरता दिख रहा है। वास्तव में, इंडी नामक विपक्षी गठबंधन में चूंकि वैचारिक साम्यता नहीं है इसीलिए इसकी एकजुटता प्रारंभ से ही संदिग्ध रही है। उससे जुड़े दल मोदी विरोध पर तो एकमत हैं किंतु आपसी विश्वास नजर नहीं आने से एक कदम आगे, दो कदम पीछे वाली स्थिति बनी हुई है। एक तरफ तो भाजपा अपनी व्यूह रचना मजबूत करती जा रही है वहीं विपक्षी दलों में सीटों के बंटवारे की गुत्थी उलझती जा रही है। सीट के बंटवारे की वेला समीप आते ही, गठबंधन तिनकों की तरह बिखरता जा रहा है। भारतीय राजनीति का इतिहास खंगालें तो पिछले 75 वर्षों में न जाने कितने गठबंधन बने और बिखरे, और पुनः बने। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के गठन के बाद से हर बीतते वर्ष के साथ विपक्ष की राजनीति की कांति लगातार प्रभावहीन हो रही है। मोदी सरकार के नौ वर्षों के कामकाज के बाद विपक्ष ने बड़ा साहस और शक्ति जुटाकर इंडिया गठबंधन का गठन किया था। गठबंधन के

बाद विपक्ष ने मीडिया और प्रचार तंत्र के माध्यमों से ऐसा वातावरण और संदेश देने का काम किया था कि इस गठबंधन के सामने भाजपानीत एनडीए गठबंधन टिक नहीं पाएगा। लेकिन गठबंधन की पहली बैठक के समय से ही जिस तरह की चालाकी और व्यवहार गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेता एक दूसरे के साथ कर रहे थे, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इस गठबंधन की आयु दीर्घ नहीं होगी। लेकिन इतनी छोटी होगी कि वो चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा, इसकी उम्मीद तो किसी को भी नहीं थी। विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के लगभग सात माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है। बंगाल के अलावा, पंजाब की घोषणा भी अलगाववादी है। बिहार से भी जो समाचार आ रहे हैं, उनके मुताबिक नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन का साथ छोड़कर एनडीए का हिस्सा बन सकते हैं। विपक्ष के सामने चुनौती है कि कैसे भाजपा को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने से रोका जाए और तमाम सर्वे कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा ये अहम प्रश्न है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी की ओर से घोषणाएं की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। अलबत्ता उन्होंने 'इंडिया' का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की हैं। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं? यदि ये घोषणाएं 'अंतिम' हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को 'अवसरवादी नेता' करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ने में सक्षम है। ममता 'इंडिया' की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को 'तारपीडो' करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ ज़हर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में 'न्याय यात्रा' और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच विषैला अलगाव इस सीमा तक पहुंच चुका है। अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना 'इंडिया' गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल, तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे।

कुछ अलग

मरने की भी फुरसत नहीं...

यह मजाक नहीं, अक्षरशः सत्य है कि मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। सुबह पोती को स्कूल छोडऩे घर से निकल रहा था, तभी यमदूत आ गए, बोले -''चलिए नरक लोक में आपको याद फरमाया जा रहा है।'' मैं बोला 'देखिए, डेढ़-दो घण्टे बाद आना, मैं अपनी पोती को स्कूल छोड़ आऊं।' बेचारे मान गए, चुपचाप चले गए। स्कूल से छोडक़र आया तो पत्नी ने थैला थमा दिया और बोली -''जाओ बाजार से सब्जी ले आओ।'' सब्जी लेने के लिए निकलने लगा और यमदूत फिर आ गए, मैंने कहा -''कमाल कर दिया। मैंने डेढ़-दो घण्टे का नाम लिया और आप इसी दरम्यान आ गए। थोड़ी तो लिहाज करो, मुझे तो ले जाना, लेकिन घर के सात सदस्यों की सब्जी तो लाकर दे दूं। अभी आप घण्टे भर और ठहरो।' वे बोले -''देखो हमारी भी नौकरी है। महाराज यम कहेंगे कि किसी को लाने में इतना वक्त थोड़े ही लगता है। हम तो कोरियर वाले हैं, आत्मा को ले जाना हमारा काम है। चलो घण्टे भर बाद आ जाएंगे। लेकिन अबकी बार नहीं चलेगा कोई बहाना।'' मैंने कहा-''मैं कोई बहाना नहीं कर रहा। यह वास्तविकता है।'' वे चले गए और मैं सब्जी लेने बाजार। वापस घर आया, शेव बनाने और नहाने-धोने तथा टिफिन तैयार करने में लग गया। मुझे याद ही नहीं रहा कि यमदूत आएंगे। स्कूटर स्टार्ट कर ही रहा था कि वे आ गए। वे बोले -''लाला, कहां रफूचक्कर हो रहे हैं। अभी घर से निकल जाते तो हम ढूंढते-फिरते। अब चलो।'' मैंने कहा -''अब तो शाम के 6 बजे तक मैं दफ्तर जाने के लिए बुक हूं। वहां लोगों के काम करने हैं और जाऊंगा तो दो पैसे रिश्वत के घर में लेकर आऊंगा, जिससे घर आराम से चलेगा। भाई नौकरी का मामला है, इस समय तो मैं नरक में भी नहीं जा सकता। नरक यहां क्या कम है। यहां भी भोग ही रहा हूं। ऐसा करो फिलहाल किसी और का ले जाओ। बहुत से ठाले लोग हैं जो गप्पे लगा रहे हैं। यमराज कौनसा रिकॉर्ड देखने बैठेंगे, उसे डाल देंगे नरक में। यमदूत बोले -'' नहीं, हम ऐसा नहीं कर सकते। हमारी नौकरी चली जाएगी। यमराज के पास पूरा रिकॉर्ड है। रिकॉर्ड में हेरा-फेरी के आरोप में हम फंस गए तो, इनक्वायरी बैठ जाएगी। इसलिए अब तो आप दफ्तर नहीं, यमराज के पास चलो।'' मैं बोला -''देखो, मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। गृहस्थी की चक्की में कोल्हू के बैल की तरह जुता हुआ हूं। कृपया मुझे दफ्तर जाने दो। यमदूत दो थे, दोनों ने एक-दूसरे का मुंह देखा, फिर मुझसे बोले -''अच्छा तो शाम का टाइम बता दो, हम उस समय आ जाएंगे।'' मैंने कहा -''साढ़े छह बजे बाद कभी भी आ जाओ।'' वे अपने धाम चले गए और मैं मेरे दफ्तर में। शाम को दफ्तर में यकायक काम आ गया तो समय पर निकलना नहीं हुआ। बॉस ने कहा – काम पूरा करके जाओ। मैं भी यहीं हूं। मन मारकर दिनभर लगाई गप्प का मजा किरकिरा हो गया। हारकर काम करते रहे। साढ़े सात बजे के करीब वाईफ का घर से फोन आया कि कोई दो डरावने से व्यक्ति घर पर मेरी वेट कर रहे हैं। मुझे यकायक याद आया कि यमदूत आ गए। मैंने सोचा ये मौत भी मेरे हाथ धोकर पीछे पड़ गई है। और मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। मैंने सोचकर पत्नी को फोन लगाया और कहा कि कह दो उन्हें, अभी टाइम नहीं है। आप किसी संडे को आना। वर्किंग-डे के दिन तो वाकई मरने की भी फुरसत नहीं है। यमदूत दफ्तर का पता नहीं जानते थे, अतः चले गए। लेकिन संडे को तो आएंगे न। संडे को पत्नी के साथ बाजार जाना है। देखो क्या होता है, मैं संडे को ही बता पाऊंगा। वास्तव में मुझे फिलहाल तो मरने की फुरसत नहीं है।

देश दुनीया से

मालदीव का ड्रैगन के जाल से निकलना आसान नहीं होगा

चीन की अघोषित साम्राज्यवादी नीति का शिकार श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के कई देश हो चुके हैं। चीन ने इन देशों को आर्थिक रूप से जकड़ कर गुलाम बनाने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ने आर्थिक पैकेज देकर समय रहते श्रीलंका को चीन के हाथों नहीं बचाया होता तो यह देश कब का कंगाल हो गया होता। भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों देशों ने 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौते की आड़ में चीन न सिर्फ मालदीव को आर्थिक शिकंजे में कसेगा बल्कि अपनी सैन्य विस्तार की नीति को भी अंजाम देने से बाज नहीं आएगा।

भारत का विरोध और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मालदीव के लिए चीन से रिश्ते पचाना इतना आसान नहीं हैं। चीन की अघोषित साम्राज्यवादी नीति का शिकार श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के कई देश हो चुके हैं। चीन ने इन देशों को आर्थिक रूप से जकड़ कर गुलाम बनाने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ने आर्थिक पैकेज देकर समय रहते श्रीलंका को चीन के हाथों नहीं बचाया होता तो यह देश कब का कंगाल हो गया होता। भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों देशों ने 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौते की आड़ में चीन न सिर्फ मालदीव को आर्थिक शिकंजे में कसेगा बल्कि अपनी सैन्य विस्तार की नीति को भी अंजाम देने से बाज नहीं आएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इस पर मालदीव के तीन मंत्रियों की आपत्तिजनक बयानबाजी की। इन तस्वीरों पर मालदीव की मुइज्जू सरकार में मंत्री मरियम शिउना ने आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। उन्होंने मोदी को इजरायल से जोड़ते हुए निशाने पर लिया था और लक्षद्वीप का भी मज़ाक उड़ाया था। इससे भारत में रोष की लहर फैल गई। सोशल मीडिया पर देश में बॉयकॉट मालदीव शुरू हो गया है और कई लोगों ने मालदीव के लिए फ्लाइट और होटल बुकिंग कैंसिल करवा दी। आम जनता से लेकर फिल्मी हस्तियां भी भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र के सपोर्ट में उतर आई। इस बीच मालदीव के कई दिग्गज नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र और भारत का सपोर्ट किया और आपत्तिजनक बयान की कड़ी निंदा की। मामला बढ़ता देख मालदीव की सरकार ने कहा कि जो बातें सोशल मीडिया पर कही गईं वे निजी बयान हैं और इनका सरकार से कोई नाता नहीं। घबराए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर मामले को ठंडा करने का प्रयास किया। इसके बावजूद देश में रोष बरकरार है। मुइज्जू ने चीन के फुजियान प्रांत में मंगलवार को राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित किया। यहां वह चीन के सामने पर्यटक भेजने के लिए गिड़गिड़ाते नजर आए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि चीन अधिक पर्यटकों को भेजने के प्रयासों को तेज करे। मालदीव में 2023 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को उभारा गया और इस विषय पर दुष्प्रचार का प्रयास किया था। यूरोपीय संघ (ईयू) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने दुष्प्रचार किया था। मालदीव के लिए यूरोपियन इलेक्शन ऑब्जरवेशन मिशन (ईयू ईओएम) ने पिछले साल नौ और 30 सितंबर को हुए दो दौर के चुनाव पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्तारूढ़ गठबंधन प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में भारत विरोधी भावनाओं को प्रमुखता दी और गलत सूचना फैलाने का प्रयास किया, जिससे मुइज्जू ने जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय अधिकारियों के निमंत्रण पर हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र में 11 सप्ताह के लंबे अवलोकन के बाद ईयू ईओएम ने कहा कि पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा चलाया गया अभियान राष्ट्र पर भारत के प्रभाव की आशंकाओं पर आधारित था। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईयू ईओएम पर्यवेक्षकों ने पीपीएम-पीएनसी की ओर से राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक भाषा के उदाहरण देखे हैं। इसमें कहा गया कि पार्टियों के अभियान में भारत विरोधी भावनाएं शामिल थीं। देश के अंदर भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति के बारे में भी चिंता प्रकट की गई थी। इसके साथ ही ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान चलाए गए। ईयू मिशन ने उल्लेख किया कि राजनीतिक और प्रचार अभियान के तहत धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी का अभाव देखा गया। ईयू ईओएम ने सरकारी मीडिया सहित मीडिया के राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया, जबकि इंटरनेट मीडिया में सूचना में हेरफेर के भी कुछ संकेत मिले। उस समय के मौजूदा राष्ट्रपति, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, पिछले साल फिर से चुनाव में उतरे थे। विपक्षी पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा समर्थित पीएनसी के मोहम्मद मुइज्जू ने उन्हें हराकर 54 प्रतिशत वोटों के साथ चुनाव जीता। गौरतलब है कि भारत का प्रयास रहा है कि सभी पड़ौसी देशों से बराबरी के द्विपक्षीय रिश्ते कायम रहे।

आप का नजरीया

गठबंधन से पहले अलगाव

हमने पहले भी लिखा है कि विपक्ष का गठबंधन टूटने के लिए बनता है। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। इस बार 'इंडिया' का प्रयोग कुछ भिन्न और व्यापक लग रहा था, लेकिन दो अलगाव ऐसे घोषित किए गए हैं कि विपक्षी गठबंधन की संभावनाएं प्रभावहीन लगती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से घोषणाएं की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। अलबत्ता उन्होंने 'इंडिया' का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की हैं। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं? यदि ये घोषणाएं 'अंतिम' हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को 'अवसरवादी नेता' करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लडऩे में सक्षम है। ममता 'इंडिया' की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को 'तारपीडो' करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ ज़हर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में 'न्याय यात्रा' और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाडऩा शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच ज़हरीला अलगाव इस हद तक पहुंच चुका है। अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना 'इंडिया' गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर 'शून्य' ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए। दरअसल विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के करीब 7 माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुए अकल्पनीय काम : सीपी जोशी

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तीनों का ही बड़ा महत्व है, ये अपनी प्रभावी छाप छोड़ते हैं। डिजिटल मीडिया की ताकत से आज दुनिया में किसी भी स्थान की खबर हमें शीघ्र मिल जाती है। इसके माध्यम से आज हम अपनी बात तुरंत ही देश-दुनिया में पहुंचा सकते है, इसलिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि जिस विषय पर हम बात करें, हमें उसका पूरा ज्ञान होना चाहिए। जोशी शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया और सोशल मीडिया की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से राजस्थान में सभी 25 सीटों पर कमल खिलाने के लक्ष्य को लेकर हमें काम करना है। जितना बोलने के लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं के पास है उतना देश की किसी भी पॉलिटिकल पार्टी के पास नहीं है। प्रधानमंत्री

मोदी ने जो काम पिछले दस वर्षों में किया वो पिछले साठ सालों में कोई भी सरकार नहीं कर पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व देश का विकास और अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, दुनिया में देश का वैभव बढ़ा है, गरीब कल्याण, किसान कल्याण, युवाओं के सपनों की उड़ान, नारी सशक्तीकरण व जन कल्याणकारी योजनाओं की दृष्टि से अकल्पनीय काम हुए है। जोशी ने कहा भाजपा सरकार आमजन के हित में श्रेष्ठ कार्य कर रही है, इस कार्य को जन जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाए। मीडिया के माध्यम से हमें प्रभावशाली प्रचार की आवश्यकता है। जोशी ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान देश में इतना काम हुआ है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद मात्र 50 दिनों में ही मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जो काम हुए वो कांग्रेस के पांच सालों में भी नहीं हो पाए। साढ़े चार सौ रुपए में गैस सिलेंडर दिया जाने लगा, जिन लोगों ने पेपर लीक कर युवाओं का भविष्य खराब किया उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए एसआईटी का गठन, अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया और अपराध व अपराधियों पर तुरंत एक्शन लेने के लिए सीबीआई पर राज्य सरकार की स्वीकृति की बाध्यता समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों से भ्रष्टाचार और अपराध करने वालों की नींद उड चुकी है। कार्यशाला में राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री एवं आईटी-मीडिया-सोशल मीडिया प्रभारी पिंकेश पोरवाल, मीडिया विभाग के संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया विभाग के संयोजक हरेंद्र कौशिक, आईटी विभाग के संयोजक धनराज सोलंकी सहित इन विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिप्लब कुमार देब होंगे हरियाणा भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रभारी

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा भाजपा के प्रभारी बिप्लब कुमार देब को राज्य में लोकसभा चुनाव की कमान सौंप दी है। यह पहला मौका है, जब किसी भाजपा प्रभारी को पार्टी ने राज्य में लोकसभा चुनाव की कमान सौंपी है। अब बिप्लब कुमार देव के पास हरियाणा में दो दायित्व होंगे। राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र सिंह नागर को देब के साथ हरियाणा में भाजपा का लोकसभा सह चुनाव प्रभारी लगाया गया है। सुरेंद्र नागर राज्यसभा में उप सभापति भी हैं, जबकि देब त्रिपुरा के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और पिछले काफी समय से हरियाणा भाजपा का प्रभार संभाल रहे हैं। हरियाणा भाजपा के नए लोकसभा चुनाव प्रभारी बिप्लब कुमार देब और सह प्रभारी सुरेंद्र सिंह नागर की जल्दी ही मीटिंग होनी संभव है। नई दिल्ली में इन दोनों नेताओं की मीटिंग के बाद उनकी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा होगी।

होशियारपुर में भीषण सड़क हादसा, पांच युवक जिंदा जले

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के होशियारपुर में दसूहा के पास भीषण सड़क हादसे में पांच युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। ये सभी लोग कार में सवार थे। घटना शुक्रवार देर रात की है। जालंधर-पठानकोट हाईवे पर दसूहा के पास कार व ट्रक की टक्कर में जोरदार धमाके के बाद कार में आग लग गई। जिससे यह घटना हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब वह गांव उच्ची बस्सी के पास पहुंचा तो देखा कि जालंधर नंबर की एक कार से आग की लपटें निकल रही थी। उनके वहां पहुंचने से करीब एक दो मिनट पहले ही हादसा हुआ था। मौके पर जमा हुए ग्रामीणों ने चार लोगों को बाहर निकाला। जिसमें दो लोगों की मौत हो चुकी थी, दो की सांस चल रही थी। एक अन्य खुद ही किसी तरह बाहर आ गया था। जिसे सबसे पहले अस्पताल भेजा गया। उक्त युवक की अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। कुछ देर बाद जांच के लिए पुलिस और एम्बुलेंस पहुंच गई। मगर जब तक दो अन्य की भी मौत हो गई थी। जिस जगह पर कार जल रही थी उससे करीब 500 मीटर दूर एक ट्रक झाड़ियों में पलटा हुआ था। पुलिस के अनुसार ट्रक का चालक उसी में फंसा हुआ था। उसे भी किसी तरह बाहर निकाल कर दसूहा के सिविल अस्पताल में भेजा गया। आशंका जताई जा रही है कि ट्रक चालक कार को टक्कर मारने के बाद वहां से भागा होगा, मगर आगे जाकर वह भी हादसे का शिकार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंची। जिन्होंने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद कार में लगी आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार सभी मृतक जालंधर के रहने वाले थे। इनकी शिनाख्त ऋषभ मिन्हास, इंदर कौंडल, राजू और अभि निवासी भार्गव कैंप और अंकित कुमार निवासी घास मंडी के रूप में हुई है। ये सभी कार में जालंधर से पठानकोट जा रहे थे। पुलिस ने इनके शवों और क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है।

उप्र में 80 सीट जीतने जा रही भाजपा, आईएनडीआईए गठबंधन का कोई भविष्य नहीं : अरुण सिंह

मीरजापुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने शनिवार को मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा 80 में से 80 सीट जितने जा रही है। .मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा गठबंधन का कोई भविष्य नहीं है। पहले भी दोनों पार्टियों में समझौता हुआ था। भाजपा 80 में से 80 सीट जीतने जा रही है। बिहार में चल रहे उठा पटक पर उन्होंने कहा कि जल्द ही अच्छा समाचार मिलेगा। आज हर कोई मोदी के नेतृत्व में काम करना चाह रहा है और मोदी के नेतृत्व में सभी खुश हैं। देश ही नहीं विदेशों में भी भारतीयों को सम्मान मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने 36 नए अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड से बिहार अग्निशमन सेवा के सुदृढ़ीकरण के लिए नए अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुल 46 अग्निशमन वाहनों का क्रय होगा, जिसमें आज 36 वाहनों का लोकार्पण हुआ। शेष 10 वाहनों की आपूर्ति भी शीघ्र हो जाएगी। आज लोकार्पित किए गए 36 वाहनों में दो हाईड्रोलिक प्लेटफॉर्म सह टर्न टेबल एरियल लैडर (52 मीटर), 6 वाटर टेंडर टाईप-बी. (5 हजार लीटर), 6 वाटर बाउजर (12 हजार लीटर), 10 फोम फायर टेंडर (5 हजार लीटर) तथा 12 फायर

फायटिंग मोटर साइकिल शामिल हैं। इन नए वाहनों के आने से अग्निशमन सेवा की क्षमता बढ़ेगी तथा अग्निकांड के समय घटनास्थल पर शीघ्र पहुंचकर मानव जीवन एवं संपत्ति को बचाने में उपयोगी साबित होगी। वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के पूर्व वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री को बिहार अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने अग्निशमन वाहन सह फ्लोटिंग पंप, न्यूमैटिक जैक, डायमंड चैन-सॉ एवं काम्बी टूल्स, स्मॉक एक्झौस्टर, लाइटिंग टॉवर आदि उपकरणों के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि आग लगने से होने वाली दुर्घटनाओं के दौरान इन आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जाएगा, जिससे तत्काल घटनाओं पर तेजी से काबू पाया जा सकेगा।

हथियारों की तस्करी में शामिल आतंकियों के पांच मददगार गिरफ्तार

कुपवाड़ा (हिंस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गोला-बारूद और हथियारों की तस्करी में शामिल आतंकियों के पांच मददगारों को कुपवाड़ा जिले से गिरफ्तार किया। कुपवाड़ा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल मन्हास ने शनिवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि सेना की 9 पैरा फील्ड रेजिमेंट के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। उन्होंने बताया कि पीओके स्थित लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों- गबरा करनाह के मंजूर अहमद शेख उर्फ शकूर और धन्नी करनाह के काजी मोहम्मद खुशाल दोनों सीमा पार से काम कर रहे हैं। उनके द्वारा भेजे गए गोला-बारूद और हथियारों की तस्करी में शामिल एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर रियर सुधपोरा करनाह के जहूर अहमद भट को गिरफ्तार किया गया है। मन्हास ने बताया कि सीमा पार से इस तरफ भेजी गई खेप को अन्य आतंकी सहयोगियों तक पहुंचाया गया जो जहूर और अन्य के भी संपर्क में थे। आगे के सुरागों के आधार पर चार और आतंकी मददगारों- खुर्शीद अहमद राथर, मुदस्सिर शफीक, गुलाम सरवर राथर सभी निवासी गबरा करनाह और काजी फजल इलाही को गिरफ्तार किया गया।

चाहे फांसी हो जाए, गलत करने वाले शिक्षकों की प्रॉपर्टी पर चलेगा बुलडोजर : शिक्षा मंत्री

कोटा (हिंस)। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की ओर से हो रहे गलत आचरण को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि जो भी शिक्षक स्कूलों में गलत आचरण करेगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चलाया जाएगा। चाहे मुझे फांसी हो जाए। शिक्षा मंत्री शनिवार को महावीर नगर स्थित राजकीय बालिका स्कूल में साइकिल वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत बुरा लगता है, जब विद्या के मंदिर के बारे में अखबार में पढ़ता हूं। सुनता हूं कि अमुक स्कूल में एक बालिका के साथ अच्छा व्यवहार नहीं हुआ, वह भी एक शिक्षक के द्वारा। बहुत वेदना होती है, हमारी उस प्रतिज्ञा का क्या हुआ, जिसमें हम गुरु-शिष्य की बात करते हैं, कहते हैं कि सभी देशवासी मेरे भाई बहन है। अगर कोई शिक्षक ही ऐसा व्यवहार करेगा तो वह कैसा शिक्षक है? कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री ने कहा कि आपके माध्यम से लोगों से आग्रह कर रहा हूं कि ऐसे किसी व्यक्ति को नहीं छोडूंगा। निलंबित करने के बाद उसे बर्खास्त करने तक की कार्यवाही तो करूंगा और प्रॉपर्टी पर बुलडोजर भी चलाऊंगा।

कानून-व्यवस्था से लेकर बैंक लूटकांड का खुलासा नए एसपी अमित रंजन के लिए है चुनौती

अररिया (हिंस)। बदलते सियासी बयार के बीच बड़े पैमाने पर बिहार में आईएएस और आईपीएस के साथ अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। जिसके तहत अररिया में नए एसपी के रूप में भागलपुर में सिटी एसपी के रूप में पदस्थापित 2018 बैच के आईपीएस अमित रंजन को अररिया का नया एसपी बनाया गया है। इससे पहले भागलपुर सिटी एसपी के साथ अमित रंजन पटना सिटी के अनुमंडल पुलिस अधिकारी के रूप में काम कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिला के मूल निवासी अमित रंजन शांत स्वभाव के हैं और पटना और भागलपुर में सिटी एसपी के रूप में कई बड़े मामलों का उद्भेदन कर चुके हैं। अररिया में नए एसपी के रूप में अमित रंजन को कई चुनौतियों से सामना करना पड़ सकता है

जिले में लचर पुलिसिंग व्यवस्था उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। लगातार लूट, छिनतई सहित अन्य अपराधिक वारदातों पर लगाम के साथ दिन दहाड़े एडीबी चौक स्थित एक्सिस बैंक लूटकांड मामले का खुलासा उनके लिए पहली और बड़ी चुनौती है। एक्सिस बैंक लूटकांड के पांच दिनों के बाद तीन डीएसपी रैंक के अधिकारियों के नेतृत्व में अलग अलग गठित एसआईटी अब तक इस लूटकांड को लेकर कोई खास सफलता अर्जित नहीं कर पाई है। ऐसे में एक्सिस बैंक लूटकांड का उद्भेदन उनके लिए सबसे पहली और बड़ी चुनौती है। इसके अतिरिक्त अररिया जिला भारत नेपाल सीमा पर अवस्थित है। जहां राष्ट्र विरोधी तत्व भी सक्रिय रहते हैं। हालांकि सीमावर्ती क्षेत्र में कई एसएसबी सहित एजेंसी काम करती है। उनके साथ तालमेल कर तस्करी, मवेशी चोरी, लूटकांड, सेंधमारी और सुरक्षा के साथ विधि व्यवस्था संधारण चुनौती है। नेशनल हाइवे पर पुलिस द्वारा वसूली पर रोक से लेकर व्यवसायी समेत आम नागरिकों के जेहन में पुलिस के प्रति विश्वास कायम करना भी एसपी के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं। अररिया जिला में वर्तमान परिपेक्ष्य में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि गणतंत्र दिवस के मौके पर जिला प्रशासन की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में अधिकारियों की मौजूदगी के बीच असामाजिक तत्व हंगामा कर कुर्सियां तोड़ती रही और मौके से पुलिस नदारद रही। जबकि उस समय जिले के कई वरीय अधिकारी टाउन हॉल में मौजूद थे।

कांग्रेस घोषणा पत्र: राजस्थान से सुझाव प्राप्त करने के लिए बैठक आयोजित

जयपुर (हिंस)। आगामी लोकसभा चुनाव-2024 के लिए कांग्रेस के घोषणा पत्र के लिए राजस्थान प्रदेश से सुझाव प्राप्त करने के लिए शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय जयपुर पर राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष तथा विधानसभा चुनाव घोषणा पत्र समिति के चेयरमेन डॉ. सीपी जोशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित चुनाव घोषणा पत्र समिति के सदस्य विधायक जिग्नेश मेवानी ने प्रदेश के विभिन्न सामाजिक संगठनों, समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों, सिविल सोसायटी के सदस्यों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं, नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त किए।

भ्रष्टाचार समाप्त करने का दावा करने वाली सरकार में हो रहा भ्रष्टाचार : कुमारी सैलजा

सिरसा (हिंस)। राजनीति कोई व्यवसाय नहीं है, बल्कि यह संघर्ष भरा रास्ता है। इसे हमने इस लिए चुना है, ताकि जनता की सेवा कर सकें और मुश्किल वक्त में जनता की आवाज बन सकें। जिसे आराम करना है वे राजनीति में न आएं, बल्कि अपना व्यवसाय करें क्योंकि राजनीति केवल संघर्षों से भरा रास्ता है। यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने कही। वे शनिवार को नई अनाज मंडी में संदेश रैली को संबोधित कर रही थीं। सैलजा ने कहा कि पीएम मोदी ने 15 लाख रुपए खाते में डालने का वादा किया था। लोगों ने विश्वास किया क्योंकि देश के पीएम ने बयान दिया था। 70 साल में कभी भी जुमला शब्द नहीं सुना था, लेकिन भाजपा शासन में यह जुमला शब्द सुनाई दिया। क्योंकि जब देश की जनता ने भाजपा से पूछा कि 15 लाख रुपए खाते में कब आएंगे तो भाजपा ने कह दिया कि यह तो जुमला था। राम मंदिर के मुद्दे पर सैलजा ने कहा कि भगवान राम हम सब के हैं। लेकिन भाजपा भगवान राम के नाम पर लोगों को बांटने का काम कर रही है। महंगाई, बेरोजगार के मुद्दे पर भाजपा की सरकार चुप है। हरियाणा की गठबंधन सरकार पर हमला बोलते हुए सैलजा ने कहा कि आज प्रदेश में घोटाले पर घोटाले हो रहे हैं, लेकिन एक भी घोटाले में किसी को सजा नहीं हुई। भ्रष्टाचार समाप्त करने का दावा करने वाली इस सरकार में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। रसा जिले की बात करते हुए सैलजा ने कहा

ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजा 10वां समन

कहा, या तो आप आइए या हम आएंगे

रांची (हिंस)। जमीन घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर 10वां समन भेजा है। ईडी ने उन्हें 29 से 31 जनवरी तक का समय दिया है। ईडी ने पहले की तरह ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है कि पूछताछ के लिए या तो आप आइए या हम आएंगे। एजेंसी ने 22 जनवरी को मुख्यमंत्री को समन भेजकर 25 जनवरी तक यह बताने को कहा था कि वह 27-31 जनवरी के बीच पूछताछ का कोई वक्त मुकर्रर कर एजेंसी को बताएं। ऐसे में ईडी ने एक बार फिर पत्र भेज कर मुख्यमंत्री से समय और स्थान तय करने की बात कही है। पत्र के जवाब में हेमंत सोरेन ने 25 जनवरी को एक पत्र ईडी के अनुसंधान पदाधिकारी को भेजा था। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उन्हें ईडी का नौवां समन मिला है लेकिन वह पूछताछ की तारीख या वक्त बाद में बताएंगे। ईडी को उन्होंने यह नहीं बताया था कि एजेंसी उसने 27 से 31 जनवरी के बीच पूछताछ कर सकती है या नहीं। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व 20 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद ईडी ऑफिस नहीं गए, बल्कि उन्होंने ईडी के अधिकारियों को मुख्यमंत्री आवास बुलाया। ईडी के अधिकारी सुरक्षा के घेरे में ईडी दोपहर करीब एक बजे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी के अधिकारी लंबी पूछताछ की थी। लगभग सात घंटे से अधिक लंबी पूछताछ के बाद रात करीब आठ बजे मुख्यमंत्री आवास से ईडी की टीम बाहर निकली थी। रांची की जिस जमीन को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ईडी के दायरे में आए हैं। दरअसल, वह जमीन रांची के बरियातू इलाके में है। जमीन कुल 12 प्लाट में है और उसका कुल रकबा 8.46 एकड़ है। ईडी की जांच रिपोर्ट में यह बात निकल कर आई है कि पूरे जमीन की घेराबंदी की गई है। साथ ही उसमें आउट हाउस और एक गार्ड रूम भी बना हुआ है। तफ्तीश में जानकारी मिली है कि जमीन में कुछ हिस्सों के नेचर गैरमजरूआ भूईंहरी जमीन का है जबकि कुछ बकास्त भूईंहरी जमीन है।

लोकसभा चुनाव की प्रशासनिक तैयारियां तेज अफसरों का प्रशिक्षण शुरू

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लोकसभा चुनाव की प्रशासनिक तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। शनिवार को जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी एस.राजलिंगम की अध्यक्षता में सेक्टर मजिस्ट्रेट, सेक्टर पुलिस अधिकारियों, रिजर्व सेक्टर मजिस्ट्रेट और रिजर्व सेक्टर पुलिस अधिकारियों को सर्किट हाउस के सभागार में चुनाव कराने का प्रशिक्षण दिया गया। एडीएम वित्त राजस्व, नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर तथा एडीएम सिटी स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर ने चुनाव में फील्ड में क्या-क्या चीजें देखनी है तथा कौन-कौन से प्रोफार्मा पर रिपोर्ट किस तरह तैयार करनी है, इसके बारे में विस्तार से बताया। अफसरों को बताया गया कि वाराणसी संसदीय क्षेत्र की आठों विधानसभा क्षेत्र में कुल 227 सेक्टर हैं। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को हैंडबुक दे दी गई है। ट्रेनिंग के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एस राजलिंगम ने वल्नरेबल मैपिंग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्रिटिकल मतदेय स्थल के अंतर्गत किस प्रकार के बूथ आते हैं। उन्होंने बताया कि बल्नरेबुल मैपिंग ऐसे मतदाता समूह, मजरे, ग्राम को चिन्हित करना है। जिन्हें भयभीत करके या प्रलोभन देकर या अन्य प्रकार से मतदान करने से रोका जाता है। वह वल्नरेबुल क्षेत्र कहे जाते हैं। ऐसे क्षेत्रों का चिन्हांकन पुलिस अधिकारियों व एसडीएम द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। इस चिन्हांकन के साथ ही ऐसे व्यक्ति जिन्हें मतदान करने से रोका जा रहा है उनकी सूची बनाई जाती है। तथा जो लोग मतदान करने से रोक रहे हैं उनकी भी सूची बनाई जाती है। उन्होंने कहा कि सकुशल सम्पन्न कराने की मुख्य जिम्मेदारी सेक्टर मजिस्ट्रेट और सेक्टर पुलिस अधिकारियों की है। चुनाव कराने के अपने अधिकार और जिम्मेदारियों को बखूबी जाने और उसी के अनुसार कार्य सम्पादित करें।

2014 से पहले होता था घोटाला, अब पुराने कीर्तिमान को तोड़ रहें खिलाड़ी : अनुराग ठाकुर

लखनऊ (हिंस)। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से पहले घोटालों का दौर चलता था। पहले कोई कह भी नहीं सकता था कि एक दिन उत्तर प्रदेश में खिलाड़ी करोड़ों के ईनाम पाएंगे। अब कड़ी मेहनत और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की मदद से देश के खिलाड़ी पुराने कीर्तिमान को तोड़ रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश में खिलाड़ियों को सबसे अधिक ईनाम राशि देने वाले राज्यों में है। उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश की ओर अग्रसर है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ भी की। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर शनिवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की 16 फीसदी आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। हमारे खिलाड़ियों ने 25 फीसदी मेडल हासिल किए हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के

अनुरूप जो काम किए गए हैं उन्हीं के परिणाम हैं। पहले पैसा देकर लोग नौकरी खरीदते थे। आज सरकार नौकरी भी दे रही है पैसा भी। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों 75 लाख से लेकर साढ़े चार करोड़ रुपए तक के ईनाम पाकर खिलाड़ियों के खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एशियाई और पैरा एशियाई खेलों के पदक विजेता और प्रतिभाग करने वाले राज्य के खिलाड़ियों को नागा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 189 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 62 करोड़ रुपए पुरस्कार राशि मिली। डेढ़ करोड़ और तीन करोड़ रुपए के नगद पुरस्कार पााने वाले खिलाड़ियों की संख्या अधिक थी। सात खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र भी मिले। इनमें से चार की नियुक्ति डिप्टी एसपी के पद पर हो रही है। अन्य को जिला युवा कल्याण अधिकारी और यात्री-माल कर अधिकारी के रूप में नियुक्ति मिल रही है। राज्य सरकार एशियाई खेल में स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़, रजत पदक विजेता को डेढ़ करोड़ और कांस्य पदक विजेता को 75 लाख रुपए का पुरस्कार देती है। वहीं पुरस्कार पाने वालों में सबसे ज्यादा 4.50 करोड़ रुपए की धनराशि मेरठ की एथलीट पारुल चौधरी को मिली। पारुल ने एशियाई खेल में 5000 मीटर की दौड़ में स्वर्ण और 3000 मीटर स्टीपल चेज में रजत पदक जीता था। वहीं एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीतने वाले वाराणसी के हॉकी खिलाड़ी ललित कुमार उपाध्याय, जैवलिन थ्रोअर मेरठ की अन्नू रानी, क्रिकेट अलीगढ़ के रिंकू सिंह और आगरा की दीप्ति शर्मा, कबड्डी खिलाड़ी अर्जुन देशवाल, बागपत के निशानेबाज अखिल कुमार को तीन-तीन करोड़ रुपए के पुरस्कार दिए गए। पैरा एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी एवं आईएएस अफसर सुहास एलवाई व जैवलिन थ्रोअर प्रवीन कुमार को भी तीन-तीन करोड़ रुपए दिए गए। एशियाई खेलों में गए प्रशिक्षकों को पहली बार नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यही नहीं, एशियाई खेल और पैरा एशियाई खेल में प्रतिभाग करने वाले हर खिलाड़ी को पांच-पांच लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। एशियाई खेलों में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने सात स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक झटके। जबकि 16 खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया था। पैरा एशियाई खेलों में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी दो स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक लेकर आए। जबकि 18 खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया था। पारुल चौधरी को एथलेटिक्स में एक स्वर्ण और एक रजत, अन्नू रानी को एथलेटिक्स में एक स्वर्ण, दीप्ति शर्मा क्रिकेट में स्वर्ण, ललित उपाध्याय हॉकी में स्वर्ण, रिंकू सिंह क्रिकेट में स्वर्ण, अखिल श्योरण शूटिंग में स्वर्ण, अजय सरोज एथलेटिक्स में रजत, कार्तिक कुमार एथलेटिक्स में रजत, पुनीत कुमार नौकायन में एक रजत और एक कांस्य, नीरज नौकायन में रजत, नितिश कुमार नौकायन में रजत, अरविंद सिंह नौकायन में रजत, प्राची एथलेटिक्स में रजत, वंतिका अग्रवाल शतरंज में रजत, किरन बालियान एथलेटिक्स में कांस्य, सीमा पुनिया एथलेटिक्स में कांस्य, गुरवीर सिंह एथलेटिक्स में कांस्य, अर्जुन सिंह क्याकिंग कनोइंग में कांस्य, रामबाबू एथलेटिक्स में कांस्य, एबाद अली नौकायन में कांस्य, खुशबू सेपक टाकरा में कांस्य, वंदना कटारिया हॉकी में कांस्य पदक मिला। सुहास एलवाई बैडमिंटन में स्वर्ण, प्रवीण कुमार एथलेटिक्स में स्वर्ण, प्रदीप कुमार एथलेटिक्स में रजत, सिमरन एथलेटिक्स में रजत, जैनब खातून पावरलिफ्टिंग में रजत, सूरज सिंह तीरंदाजी में रजत, अजीत सिंह एथलेटिक्स में कांस्य, पुष्पेंद्र सिंह एथलेटिक्स में कांस्य, श्रेयांश त्रिवेदी एथलेटिक्स में दो कांस्य पदक मिला।

एयरबस और टाटा समूह मिलकर लगाएंगे हेलीकॉप्टर बनाने का कारखाना, 2026 में पहली डिलीवरी की उम्मीद

मुंबई।
एयरबस और टाटा समूह मिलकर देश में हेलीकॉप्टर बनाने का कारखाना स्थापित करने जा रहे हैं। एयरबस हेलीकॉप्टर्स ने इसका एलान किया है। विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह फाइनल एसेंबली लाइन (विनिर्माण इकाई) के जरिए सिविल रेंज के एयरबस एच-125 हेलीकॉप्टर का विनिर्माण करेगी। इसका उत्पादन भारत में किया जाएगा। निर्यात कुछ पड़ोसी देशों को किया जाएगा।

बयान में कहा गया है कि इस साझेदारी के तहत टाटा समूह से जुड़ी कंपनी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) एयरबस हेलीकॉप्टर्स के साथ संयंत्र स्थापित करेगी। यह एलान तब किया गया है, जब गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों दो दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। इसमें आगे कहा गया, भारत में एफएएल मुख्य रूप से कल-पुर्जों को जोड़ने, एवियोनिक्स और मिशन सिस्टम, विद्युत हार्नेस की स्थापना, हाइड्रोलिक सर्किट, उड़ान नियंत्रण, ईंधन प्रणाली और इंजन के एकीकरण का काम करेगा। बयान के मुताबिक, यह भारत और क्षेत्र में ग्राहकों को लिए एच-125 का परीक्षण और वितरण भी करेगा।

बयान के मुताबिक, एफएएल के स्थापित होने में दो साल तक का समय लगेगा। पहले मेड इन इंडिया एच-125 की डिलीवरी 2026 के शुरू में होने की उम्मीद है। फाइनल असेंबली लाइन लगाने के लिए स्थान एयरबस और टाटा समूह मिलकर तय करेंगे। एयरबस के सीईओ गुइलाम फाउरी ने कहा, राष्ट्र निर्माण के लिए हेलीकॉप्टर जरूरी हैं। मेड इन इंडिया, सिविल हेलीकॉप्टर न केवल आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक होगा, बल्कि देश में हेलीकॉप्टर बाजार की वास्तविक क्षमता को भी सामने लाएगा।

उन्होंने कहा, हेलीकॉप्टर के लिए हम फाइनल असेंबली लाइन अपने भरोसेमंद साझेदार टाटा के साथ मिलकर बनाएंगे। यह भारत में एयरोस्पेस के माहौल को बढ़ावा देने के लिए एयरबस की प्रतिबद्धता है।

न्यूज ब्रीफ

लैंको पॉवर प्लांट खरीदने दौड़ से बाहर हुई जिंदल पावर, आसान हुई अडानी की राह

कोरबा । देश के सबसे बड़े कारोबारी घरानों में शामिल अडानी समूह के लिए एक नए सौदे की राह आसान हो गई है। अडानी समूह की पावर कंपनी अडानी पावर दो बिजली कंपनियों को खरीदने की दौड़ में शामिल है। उनमें से एक का सौदा तकरीबन फाइनल हो गया है। एकाएक दौड़ से बाहर हुई कंपनी कोरबा-चांपा मार्ग में स्थापित लैंको अमरकंटक पावर प्लांट को खरीदने की दौड़ में अडानी पावर को नवीन जिंदल की कंपनी जिंदल पावर से कड़ी टक्कर मिल रही थी। जिंदल पावर ने तो लैंको अमरकंटक के लिए पिछले सप्ताह अडानी से बड़ी बोली भी पेश की थी। अब नवीन जिंदल की कंपनी अचानक दौड़ से बाहर हो गई है। लैंको अमरकंटक को खरीदने की दौड़ से जिंदल पावर के द्वारा खुद को बाहर करने से अडानी पावर के लिए सौदा आसान हो गया है। अडानी के सामने ये 2 दावेदार नवीन जिंदल की कंपनी के बाहर होने के बाद अब लैंको अमरकंटक के संभावित खरीदारों की लिस्ट छोटी रह गई है। अब लैंको अमरकंटक के दावेदारों में अडानी पावर के अलावा मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन की अगुवाई वाला समूह शामिल है। अब ये तीनों पक्ष लैंको अमरकंटक के सौदे को अपने नाम करने के लिए प्रस्तावित नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। जिंदल पावर के ऑफर का साइज लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड वित्तीय संकटों से जूझ रही एक बिजली कंपनी है, जो अभी कॉरपोरेट इन्सॉल्वेंसी की प्रक्रिया से गुजर रही है। जिंदल पावर ने प्रक्रिया में दिलचस्पी दिखाते हुए 12 जनवरी को आवेदन किया था कि वह लैंको अमरकंटक की प्रस्तावित नीलामी प्रक्रिया में भाग लेना चाहती है। कंपनी ने 100 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी के साथ 16 जनवरी को 4,203 करोड़ रुपये का ऑफर पेश किया था। अडानी से ज्यादा था ऑफर अडानी ने पहले लैंको अमरकंटक के लिए नवंबर 2023 में 3,650 करोड़ रुपये का ऑफर पेश किया था। बाद में अडानी ने अपने ऑफर को संशोधित किया था और 4,100 करोड़ रुपये का फाइनल ऑफर दिसंबर में पेश किया था। जिंदल पावर का ऑफर अडानी पावर के फाइनल ऑफर की तुलना में बेहतर था। हालांकि एक रिपोर्ट में मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि जिंदल पावर ने अपनी बोली वापस लेने के लिए मंगलवार 23 जनवरी को
अमरावती एनसीएलटी के पास अप्लाई किया है। दूसरी कंपनी में भी जिंदल से टक्कर अडानी समूह की निगाहें दक्षिण भारत की ही आईएलएंडएफएस तमिलनाडु पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड पर भी है। यह कंपनी भी दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही है। इसे खरीदने में अडानी समूह की बिजली कंपनी अडानी पावर ने दिलचस्पी दिखाई है। इसके लिए जिंदल पावर और वेदांता समूह ने भी दिलचस्पी दिखाई है।

यस बैंक के तीसरी तिमाही के नतीजे घोषितः नेट प्रॉफिट 349.7 प्रतिशत बढ़कर 231.6 करोड़ रहा, नेट इंटरेस्ट इनकम 2.4 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। प्राइवेट लेंडर यस बैंक ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 349.7 प्रतिशत बढ़कर 231.6 करोड़ रुपए रहा। बैंक ने पिछले साल की समान तिमाही में 51.5 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। यस बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़कर 2,017 करोड़ रुपए रही। बैंक का ग्रॉस-नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स या बैड लोन्स 2.0 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल के समान है। वहीं तीसरी तिमाही में बैंक का नेट एनपीए 0.9 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही में 1.0 प्रतिशत था। यस बैंक का ग्रॉस एनपीए दिसंबर तिमाही में बढ़कर 4,457 करोड़ रुपए हो गया, जो सितंबर तिमाही में 4,319 करोड़ रुपए रहा था। वहीं बैंक का नेट एनपीए में बढ़कर 1,934 करोड़ रुपए हो गया। में यह 1,885 करोड़ रुपए रहा था। बेसल नॉर्म्स के तहत यस बैंक का कैपिटल एडिक्रेसी रेश्यो दिसंबर के अंत तक 16 प्रतिशत रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में यह 18 प्रतिशत और इस वित्तीय वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 17.1 प्रतिशत था। दिसंबर तिमाही में बैंक का नेट टैक्स आउटगो सालाना आधार पर तीन गुना बढ़कर 78 करोड़ रुपए रहा। तीसरी तिमाही में यह 17 करोड़ रुपए था। बैंक के प्रॉफिट में इस भारी उछाल का एक कारण समान समयावधि में प्रोविजंस में गिरावट है।

पिछला अंतरिम बजट कब और किस वित्त मंत्री ने पेश किया था, कौन सी घोषणाएं बनी थीं गवर्नेंस का आधार

नई दिल्ली ।
1 फरवरी 2024 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण छठी बार बजट भाषण पढ़ेंगी। इस दौरान वित्त अंतरिम बजट पेश करेंगी, क्योंकि इसी साल आम चुनाव होने हैं। आम चुनाव के बाद नई सरकार बनेगी, तब जाकर पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। एक फरवरी को पेश किया जाने वाला बजट एक वोट ऑन अकाउंट होगा, जिसके लिए संसद की मंजूरी ली जाएगी। सदन से मंजूरी के बाद सरकार अप्रैल से जुलाई तक की अवधि के खर्चों के निपटान के लिए भारत की संचित निधि से अनुपातिक आधार पर पैसे निकाल सकेगी। पिछली बार अंतरिम बजट साल 2019-20 के लिए एक फरवरी 2019 को पेश किया गया गया था। इस अंतरिम बजट को उस समय वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे वर्तमान में देश के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पेश किया था। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वित्त मंत्रालय का जिम्मा दिवंगत भाजपा नेता अरुण जेटली के पास था। उनकी खराब सेहत के कारण वर्ष 2019 के बजट के कुछ समय पूर्व वित्त मंत्रालय का प्रभार पीयूष गोयल को सौंपा गया था। ऐसे तो अंतरिम बजट में आगामी चुनावों को देखते हुए सरकार कोई बड़ी घोषणा करने से बचती है, पर पिछले अंतरिम बजट में सरकार की ओर से कई जरूरी एलान किए गए थे। जो इस प्रकार हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना - साल 2019 के अंतरिम बजट के दौरान उस समय वित्त मंत्री का प्रभार संभाल रहे पीयूष गोयल ने ही पहली बार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की घोषणा की थी। इस योजना में दो हेक्टेयर तक के जोत वाले किसान परिवारों को हर साल 6000 रुपये सीधे उनके खाते में देने का प्रावधान किया गया था। इस स्कीम के तहत सरकार ने देश के 12 करोड़ छोटे और मझोले किसान परिवारों को तीन बराबर किस्तों में उनके खाते में दो-दो हजार रुपये भेजती है। अंतरिम बजट 2019-20 पेश करते हुए गोयल ने कहा था, हमारी सरकार एक पीएम-किसान के नाम से एक ऐतिहासिक योजना पेश कर रही है। 2019-20 में इस योजना के लिए 75000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। वित्त वर्ष 2018-19 के लिए संशोधित अनुमानों में 20000 करोड़ रुपये के परिव्यय की व्यवस्था की गई है। गोयल ने इस योजना को सरकार की ओर से 1 दिसंबर, 2018 से लागू करने और 31 मार्च, 2019 तक की पहली किस्त उसी साल किसानों के खाते में भेजे जाने की बात कही थी। उसी साल कुछ समय बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना का उद्घाटन किया था।

मत्स्य विभाग का निर्माण - तत्कालीन वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने साल 2019 के अंतरिम बजट में अलग मत्स्य विभाग बनाने का भी एलान किया था। यह कदम मत्स्य पालन के विकास केलिए निरंतर और केंद्रित ध्यान देने के उद्देश्य से उठाया गया था। वित्त मंत्रालय ने कहा था कि इस फैसले से सरकार इस क्षेत्र पर निर्भर 1.45 करोड़ लोगों को बढ़ावा देने के लिए उनकी आजीविका में 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना चाहती है। वित्त मंत्री ने एलान किया था कि पशुपालन और मत्स्य पालन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाले किसनों को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से मिलने वाले ऋण पर दो प्रतिशत ब्याज की छूट दी जाएगी। इसके अलावे समय पुनर्भुगतान करने पर उन्हें ब्याज पर अतिरिक्त 3 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन की घोषणा - पिछले अंतरिम बजट में तत्कालीन प्रभारी वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने 750 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ राष्ट्रीय गोकुल मिशन शुरू करने का एलान किया था। गायों के स्थायी अनुवांशिक उन्नयन और गायों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के गठन की भी घोषणा की गई थी। इस आयोग की ओर से गायों से जुड़े कानूनों और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी नजर रखने की बात कही गई थी।

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन स्कीम - 2019 के अंतरिम बजट में ही प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधान स्कीम की भी घोषणा की गई थी। इस योजना के तहत असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों 100 रुपये प्रति महीने के योगदान के एवज में 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन के रूप में हर महीने 3000 रुपये देने की बात कही गई थी।

रेलवे को दिए गए थे 1.58 लाख करोड़ - साल 2019 के अंतरिम बजट में भारतीय रेलवे के लिए 1.58 लाख करोड़ रुपये का आवंटन दिया गया था। यह राशि देश में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विस्तार पर खर्च होना था। अपने अंतरिम बजट के भाषण में तत्कालीन प्रभारी वित्त मंत्री ने कहा था कि साल 2018-19 भारतीय रेलवे का सबसे सुरक्षित साल रहा। उन्होंने यह भी बताया था कि रेलवे ने देश में बड़ी लाइन पर अवस्थित सभी मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग को बंद करने में सफलता हासिल कर ली है। उसी साल गोयल ने भारतीय तकनीक पर आधारित सेमी-हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत शुरू करने का भी एलान किया था।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा एलान - साल 2019-20 के अंतरिम बजट के दौरान गोयल ने ग्राम सड़क योजना के लिए 19,000 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया था। वहीं मनरेगा योजना के लिए 60,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गाय था।

गरीब व पिछड़ा कल्याण के लिए हुई घोषणाएं - पिछले अंतरिम बजट में शिक्षण संस्थानों के 25 प्रतिशत अतिरिक्त सीटों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण देने ने प्रावधान का एलान किया गया था। मार्च 2019 तक बिजली का कनेक्शन चाहने वाले हर व्यक्ति को विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने की भी बात कही गई थी।

सेल्सफोर्स में भी होगी 700 कर्मचारियों की छंटनी, कंपनी के सीईओ ने बताया ये कारण

नई दिल्ली।
सेल्सफोर्स जो कि क्लाउड आधारित रिलेशनशिप मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के लिए जाना जाता है अपने 700 कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इसकी जानकारी दी। छंटनी सेल्सफोर्स के कर्मचारियों की संख्या का लगभग एक प्रतिशत है, कंपनी में लगभग 70,000 कर्मचारी हैं।

एक साल पहले भी कंपनी ने लगभग 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की थी। उस दौरान करीब 8,000 कर्मचारियों की नौकरी चली गई थी। उस समय, निवेशकों के दबाव से खर्चों में कटौती करने का निर्णय लिया गया था। सेल्सफोर्स में छंटनी की खबर ऐसे समय में आई है जब विभिन्न टेक कंपनियों ने अपने खर्चों को घटाने के लिए कार्यबल में कमी करने का फैसला किया है। सेल्सफोर्स में छंटनी की यह खबर माइक्रोसॉफ्ट की ओर से अपने वीडियो-गेम डिवीजन में 1,900 कर्मचारियों निकाले जाने की खबर सामने आने के दिन बाद आई। सूत्रों के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट जिन कंपनियों में छंटनी करने जा रही है उनमें एक्टिविज़न ब्लिजार्ड भी शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले साल के अंत में हुए एक हुए सौदे के तहत 69 बिलियन डॉलर में एक्टिविजन का अधिग्रहण किया था। डब्ल्यूईएफ में, सेल्सफोर्स के सीईओ मार्क बेनिऑफ ने कहा कि टेक इंडस्ट्री में एआई के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए विभिन्न कंपनियों की ओर से सुरक्षात्मक उपाय किए जा रहे हैं। इसी के तहत यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि वास्तव में कुछ गलत हो। यही कारण है कि हम संभलकर कदम उठा रहे हैं। बेनिओफ ने कहा, हम हिरोशिमा मोमेंट नहीं चाहते हैं। हमने देखा है कि तकनीक वास्तव में गलत दिशा में जा रही है। हमने एक हिरोशिमा देखा है। हम एआई हिरोशिमा नहीं देखना चाहते हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इससे बचाव की ओर हमारा ध्यान गया है।

किसानों की इस योजना में किस्त बढ़ सकती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली ।
साल 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले जब तत्कालीन वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया तब किसानों के हित में एक अहम स्कीम की भी शुरुआत की गई। स्कीम का नाम-पीएम किसान सम्मान निधि था। मोदी सरकार की इस स्कीम के तहत किसानों को हर साल 3 समान किस्तों में कुल 6000 रुपये दिए जाते हैं। स्कीम का फायदा 10 करोड़ से ज्यादा किसानों को मिल रहा है। अब 5 साल बाद एक बार फिर स्कीम में किस्त बढ़ोतरी के संकेत मिलने लगे हैं।

बताया जा रहा हैं कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव 2024 से पहले पेश किए जा रहे अंतरिम बजट में किस्त बढ़ा सकती है। आगामी 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। चूंकि लोकसभा के चुनाव होने हैं, इसकारण बजट आम नहीं बल्कि अंतरिम होगा। अक्सर देखा गया है कि अंतरिम बजट में चुनाव की झलक रहती है। इसके जरिए एक बड़े वर्ग या लाभार्थियों को रिझाने की कोशिश की जाती है। ऐसे में संभव है कि पीएम किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को रिझाने के लिए सरकार किस्त

बढ़ोतरी कर दे। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह किस्त बढ़ाकर 8 हजार या 10 हजार रुपये की जा सकती है।

सदन में किया गया खारिज

बीते दिनों केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा, फिलहाल, पीएम-किसान की राशि 6,000 रुपये से और बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। अब तक केंद्र सरकार ने 15 किश्तों में 2.81 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया है, जिससे 11 करोड़ से अधिक किसानों को फायदा हुआ है।

मैकेंज़ी स्कॉट ने पिछले वर्ष की तुलना में 10 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के अमेज़न शेयर बेचे

न्यूयॉर्क।
मैकेंजी स्कॉट ने अमेज़ॅन स्टॉक में अरबों डॉलर की बिक्री जारी रखी है। मीडिया ने यह बताया। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में, उन्होंने अमेज़ॅन के लगभग 65.3 मिलियन शेयर उतारे, जिनकी कीमत वर्तमान में 10 बिलियन डॉलर से अधिक है।

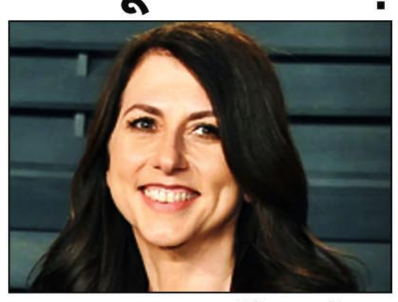

2019 में अमेज़ॅन के संस्थापक जेफ बेजोस से तलाक को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, स्कॉट दुनिया की सबसे धनी महिला बन गई, जिन्हें समझौते में लगभग 19.7 मिलियन शेयर मिले, जो अमेज़ॅन के कुल बकाया शेयरों के चार प्रतिशत के बराबर है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उसने तब से अपनी अमेज़ॅन हिस्सेदारी के कुछ हिस्से बेच दिए हैं और अरबों डॉलर दान में दे दिए हैं। बेजोस ने समझौते के हिस्से के रूप में स्कॉट के शेयरों पर वोटिंग अधिकार बरकरार रखा, यही कारण है कि उन्होंने कंपनी में अपनी 11.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का खुलासा करते समय सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को इसकी सूचना दी।

2019 में, स्कॉट ने गिविंग प्लेज पर हस्ताक्षर किए, जिस पर दुनिया के सैकड़ों सबसे अमीर लोगों ने अपनी संपत्ति का अधिकांश हिस्सा देने का वादा किया था। रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रतिज्ञा पर वॉरेन बफेट, बिल गेट्स और मार्क जुकरबर्ग जैसे बिजनेस दिग्गजों ने हस्ताक्षर किए हैं। बेजोस हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं, लेकनि उन्होंने 2022 में कहा था कि उन्होंने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा जलवायु परिवर्तन से लड़ने और मानवता को एकजुट करने वाले लोगों का समर्थन करने के लिए समर्पित करने की योजना बनाई है।

दिसंबर में, स्कॉट ने घोषणा की कि उसने अपने फाउंडेशन, यील्ड गिविंग के माध्यम से पिछले वर्ष में 2.15 बिलियन डॉलर का दान दिया है। घोषणा के अनुसार, गैर-लाभकारी संस्था ने 360 संगठनों को दान दिया था।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्लूमबर्ग के बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, हालांकि स्कॉट ने हाल के वर्षों में अमेज़ॅन के अरबों डॉलर मूल्य के शेयर बेचे हैं, लेकिन उनकी कुल संपत्ति अभी भी 37 बिलियन डॉलर से अधिक है।

लाल सागर में हो रहे हमलों के कारण वैश्विक व्यापार हो रहा प्रभावित, यूएनसीटीएडी ने कही यह बात

नई दिल्ली ।
संयुक्त राष्ट्र व्यापार निकाय ने चेतावनी दी कि लाल सागर में हमलों, यूक्रेन में युद्ध और पनामा नहर में कम जल स्तर से वैश्विक व्यापार बाधित हो रहा है। यूएनसीटीएडी के नाम से जाने जाने वाले व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में एक व्यापार विशेषज्ञ जान हॉफमैन ने चेतावनी दी कि शिपिंग लागत पहले ही बढ़ चुकी है और ऊर्जा व खाद्य लागत प्रभावित हो रही है, जिससे मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, चूंकि लाल सागर में जहाजों पर यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से नवंबर में हमले शुरू हुए इसलिए शिपिंग उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों ने अस्थायी रूप से मिस्र के स्वेज नहर का उपयोग करना बंद कर दिया है, जो भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। यह एशिया व यूरोप के बीच ऊर्जा-कार्गो के हस्तांतरण के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

हॉफमैन ने कहा कि स्वेज नहर ने 2023 में वैश्विक व्यापार का 12 प्रतिशत से 15 प्रतिशत संभाला, लेकिन यूएनसीटीएडी का अनुमान है कि पिछले दो महीनों में जलमार्ग से गुजरने

वाले व्यापार की मात्रा में 42 प्रतिशत की गिरावट आई है।

अमेरिका और ब्रिटेन के जवाब के बावजूद हूती विद्रोहियों के हमले जारी

नवंबर के बाद से, ईरान समर्थित हूती ने स्वेज नहर की ओर जाने वाले जलमार्गों के माध्यम से शिपिंग पर कम से कम 34 हमले किए हैं। हूती एक शिया विद्रोही समूह है जो 2015 से यमन की निर्वासित सरकार का समर्थन करने वाले सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ युद्ध में है और फिलिस्तीनियों का समर्थन करता है। इसने इजरायल-हमास युद्ध समाप्त होने तक हमला जारी रखने की कसम खाई है। अमेरिका और ब्रिटेन ने हूती ठिकानों के खिलाफ हमलों के साथ जवाब दिया है, लेकिन विद्रोहियों ने अपने हमले जारी रखे हैं।

जिनेवा स्थित यूएनसीटीएडी में व्यापार रसद शाखा के प्रमुख हॉफमैन ने संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं के साथ एक वीडियो संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हूती हमले ऐसे समय में हो रहे हैं जब अन्य प्रमुख व्यापार मार्ग तनाव में हैं।

उन्होंने कहा कि रूस के 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर आक्रमण और अन्य भू-राजनीतिक तनावों के बाद से लगभग दो साल के युद्ध ने काला सागर के माध्यम से तेल और अनाज व्यापार मार्गों को फिर से आकार दिया है। हॉफमैन ने कहा, गंभीर सूखे के कारण शिपिंग कंपनियों की परेशानी और बढ़ी है। पनामा नहर में दशकों में जलस्तर निम्नतम बिंदु पर पहुंच गया है, जिससे जहाजों की संख्या और आकार घट गई है।

पनामा नहर के माध्यम से कुल ट्रांजिट एक साल पहले की तुलना में 36 प्रतिशत कम हुआ

हॉफमैन ने कहा कि दिसंबर में पनामा नहर के माध्यम से कुल ट्रांजिट एक साल पहले की तुलना में 36 प्रतिशत कम रहा, और दो साल पहले की तुलना में यह 62 प्रतिशत कम था। उन्होंने कहा कि जहाज विश्व व्यापार के लगभग 80 प्रतिशत माल ले जाते हैं, और विकासशील देशों के लिए यह प्रतिशत और भी अधिक है। लेकिन लाल सागर संकट यूरोप, रूस और यूक्रेन से अनाज और अन्य प्रमुख वस्तुओं के शिपमेंट में महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा कर रहा है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए लागत में वृद्धि हुई है। इससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा हो रहा है, हॉफमैन ने कहा।

हॉफमैन ने कहा कि 2024 के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि 300 से अधिक कंटेनर जहाज, वैश्विक कंटेनर क्षमता का 20 प्रतिशत से अधिक ने स्वेज नहर मार्ग के विकल्प के बारे में सोचा और एक लंबी और अधिक महंगी यात्रा चुनी। हॉफमैन ने कहा कि द्रवित प्राकृतिक गैस का परिवहन करने वाले जहाजों ने हमले की आशंका के कारण स्वेज नहर को पार करना पूरी तरह से बंद कर दिया है।

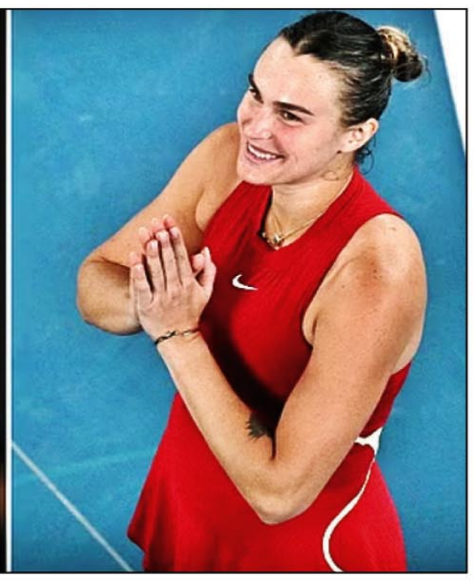

आर्यना सबालेंका लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतीं, महिला एकल के फाइनल में झेंग को हराया

मेलबर्न ।
ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल का फाइनल मैच मेलबर्न में खेला गया। बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने चीन की किनवेन झेंग को हराकर खिताब अपने नाम किया। उन्होंने लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया। सबालेंका ने मैच को 6-3, 6-3 से अपने नाम किया।

सबालेंका को टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता दी गई थी। वहीं, झेंग 12वीं वरीय थीं। उन्होंने पिछले साल यह खिताब अपने नाम किया था। सबालेंका ने झेंग को हराकर करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम कर लिया।

दोनों का सेमीफाइनल में प्रदर्शन - झेंग की बात करें तो वह पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने सेमीफाइनल में यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्स्का को हराया था। यास्त्रेम्स्का क्वालीफायर थीं और उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम-4 तक जगह बनाई थी। वहीं, सबालेंका को झेंग के मुकाबले सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अमेरिका की युवा स्टार कोको गॉफ को हराया था। गॉफ को चौथी वरीयता मिली थी।

एशियाई चैम्पियनशिप में खलेगी चानू की कमी

नई दिल्ली । भारत की शीर्ष महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू अब विश्वकप से ही वापसी करेंगी। चानू अगले साल फरवरी में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप से भी बाहर रहेंगी। चानू अभी पटियाला में 'रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। वह अब अगले माह फरवरी में अमेरिका जाकर डाक्टर आरोन होर्शिग से भी सलाह लेंगी हैं। चानू ने कहा, 'चोट के कारण मैंने विदेश की यात्रा नहीं की। लेकिन उम्मीद है कि फरवरी में अपने फिजियोथेरेपिस्ट के पास मांसपेशियों की मजबूती और कुछ 'हाई परफोरमेंस ट्रेनिंग के लिए अमेरिका की यात्रा करूं। उन्होंने कहा, 'वह मेरी काफी मदद करते हैं जिससे मेरा प्रदर्शन बेहतर भी होता है। विदेशी कोच की जरूरत नहीं है। एक अच्छा फिजियोथेरेपिस्ट आपको अच्छी ट्रेनिंग में मदद कर सकता है। एशियाई चैम्पियनशिप में नहीं खेलने से चानू की क्वालीफिकेशन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वह इस समय ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं।

न्यूज ब्रीफ

इस सीजन के बाद लिवरपूल का साथ छोड़ेंगे जुर्गन क्लॉप, वीडियो जारी कर कहा- मेरी ऊर्जा खत्म हो रही

नई दिल्ली । लिवरपूल के मौजूदा मैनेजर जुर्गन क्लॉप ने अपने सभी फैंस और समर्थकों से कहा है कि वह सीजन के अंत में लिवरपूल छोड़ देंगे। लिवरपूल ने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक वीडियो साझा किया है,

जिसमें जुर्गन क्लॉप ने कहा, मैं सीजन के अंत में क्लब छोड़ दूंगा, मैं समझता हूं कि यह कई लोगों के लिए एक झटका है। क्लॉप ने क्लब और फैंस के प्रति अपने प्यार का भी जिक्र किया। क्लॉप ने कहा, मेरी ऊर्जा खत्म हो रही है। उन्होंने आगे कहा मुझे अब कोई समस्या नहीं है, जाहिर है, मुझे पहले से ही पता था कि मुझे एक बिंदु पर इसकी घोषणा करनी होगी, लेकिन अब मैं बिल्कुल ठीक हूं। मुझे पता है कि मैं बार-बार यह काम नहीं कर सकता। वर्षों तक हमने जितना समय एक साथ बिताया और उन सभी चीजों के बाद जिनसे हम एक साथ गुजरे, आपके लिए सम्मान बढ़ गया, आपके लिए प्यार बढ़ गया और कम से कम मैं आपका एहसानमंद हूं, यह सच्चाई है और यही है सच। लिवरपूल ने यह भी पुष्टि की है कि सहायक कोच पेपिजन लिजेंडर्स और पीटर क्राविट्ज और विशिष्ट विकास कोच विटोर माटोस भी इस सीजन के बाद क्लब से अलग हो रहे हैं। क्लॉप ने पुष्टि की कि उन्होंने क्लब के मालिकों को पिछले साल नवंबर में क्लब छोड़ने के अपने इरादे के बारे में बताया था। वह लिवरपूल के मैनेजर रहते हुए छह खिताब जीत चुके हैं। उनके नेतृत्व में क्लब ने चैंपियंस लीग, प्रीमियर लीग, एफए कप, ईएफएल कप और सुपर कप एक-एक बार जीता है। 56 वर्षीय ने क्लॉप 2015 में लिवरपूल में कार्यभार संभालने के बाद लिवरपूल के साथ छह ट्रॉफियां जीती हैं, जिनमें प्रीमियर लीग और चैंपियंस लीग शामिल हैं। उन्होंने क्लब के स्वामित्व को अपने पद से हटने के फैसले के बारे में सूचित किया।

टेस्ट क्रिकेट के प्रति दर्शकों की घट रही रुचि : कमिंस

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने भी टेस्ट क्रिकेट की कम होती लोकप्रियता पर चिन्ता जतायी है। कमिंस के अनुसार इससे टेस्ट क्रिकेट का भविष्य ही खतरे में पड़ गया है। कमिंस ने कहा कि आज जितने लोग

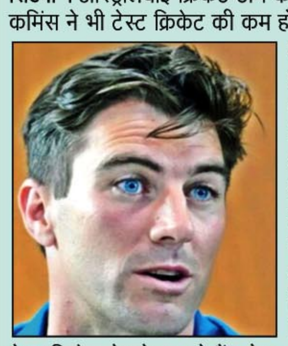

टेस्ट क्रिकेट देखने आ रहे हैं। दो दशक पहले उनकी तादाद काफी अधिक थी। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि दस साल या 20 साल में यह अब से भी ज्यादा मजबूत होगा । गौरतल है कि टेस्ट क्रिकेट की अनदेखी को लेकर तब सवाल उठे थे। जब दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड में होने वाली अपनी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दूसरे दर्जे की टीम भेजने की घोषणा की थी। इसका कारण ये था कि दक्षिण अफ्रीका के अधिकतर अनुभवी खिलाड़ी लीग क्रिकेट खेलने के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये थे। दक्षिण अफ्रीका की इस 14 सदस्यीय टीम में सात कैप्ड और सात अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, इस टीम में 15 टेस्ट खेलने वाले डुआने ओलिवर सबसे अनुभवी हैं। कमिंस ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड में दूसरे दर्जे की टीम भेजने का दक्षिण अफ्रीका का फैसला केवल एक बार के लिए ही होगा। उन्होंने कहा, 'मैं टेस्ट क्रिकेट को बेहद पसंद करते हुए बड़ा हुआ हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह कई चरणों से गुजरता है।

नई शादी के बाद मुसीबत में शोएब, मैच फिक्सिंग के आरोप में बीपीएल से हुए बाहर

करांची । सानिया मिर्जा से अलग होकर सना जावेद से तीसरी शादी करने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक नई मुसीबत में फंस गए हैं। उन पर अब बांग्लादेश में मैच फिक्स करने का आरोप लगाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) ने पाकिस्तान क्रिकेटर से नाता

तोड़ लिया है। शोएब बीपीएल में फॉर्च्यून बरिशाल टीम का हिस्सा थे। उन्होंने हाल ही में बीपीएल मैच के दौरान 1 ओवर में 3 नो बॉल फेंकी थी जिसके कारण मैच फिक्सिंग की बहस छिड़ गई थी। शोएब अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कार्रवाई के बाद बीपीएल के बाकी बचे मैचों में नहीं खेलेंगे। वह अब बांग्लादेश छोड़कर दुबई लौटेंगे। बांग्लादेशी मीडिया ने दावा किया कि मैच फिक्सिंग के संदेह के चलते फ्रेंचाइजी ने पाकिस्तानी क्रिकेटर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया है। इधर सोशल मीडिया पर जैसे ही यह खबर आई तो फैंस ने इसे ट्रेंड करना शुरू कर दिया। कहा गया कि सानिया मिर्जा को धोखा देने के कारण शोएब मलिक के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा- जैसा बोओगे, वैसा काटोगे। गौरतलब है कि शोएब मलिक ने हाल ही में पाकिस्तानी एक्ट्रेस सना जावेद से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शोएब ने अपनी मां और बहनों को अपनी तीसरी शादी में नहीं बुलाया।

जडेजा के हेलमेट पर लगी 142 की स्पीड की बॉल

रूट को लगातार दो विकेट ; बुमराह के बोल्ड पर 8 फीट दूर गिरा डकेट का स्टंप

हैदराबाद।
इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में भारत के खिलाफ वापसी कर ली है। टीम ने तीसरे दिन 126 रन की बढ़त बनाई। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लिश टीम ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 316 रन बना लिए हैं। ओली पोप 148 और रेहान अहमद 16 रन पर नाबाद रहे। पोप ने टेस्ट करियर की 5वीं सेंचुरी जमाई।

शनिवार को मुकाबले के दौरान कई मोमेंट्स देखने को मिले, जैसे- पहले सेशन में भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की हेलमेट पर मार्क वुड की बॉल लगी। उसके बाद जो रूट ने लगातार दो बॉल पर दो विकेट हासिल किए। फिर भारतीय पारी ने जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट को बोल्ड कर दिया। जसप्रीत की बॉल इतनी तेज थी कि स्टंप उझलता हुआ 8 फीट दूर तक गया।

जडेजा के हेलमेट पर लगी वुड की बॉल

भारत ने दिन की शुरुआत 421/7 से की। जडेजा 81 और अक्षर पटेल 35 के निजी स्कोर पर खेलने उतरे। भारतीय पारी के 115वें ओवर की तीसरी बॉल रवींद्र जडेजा के हेलमेट पर लगी। मार्क वुड ने 142 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से बाउंडर डाली थी, जिस पर जडेजा पुल करना चाहते थे, हलांकि जडेजा को चोट नहीं आई, लेकिन फिजियो के परीक्षण के लिए खेल रोकना पड़ा। बाउंसर के बाद फिजियो परीक्षण जरूरी है।

रूट ने लगातार 2 विकेट लिए

120वें ओवर में इंग्लैंड के पार्ट टाइम स्पिनर जो रूट ने दो बॉल पर लगातार दो विकेट लिए। उन्होंने ओवर की तीसरी बॉल पर जडेजा को आउट कर दिया, उसके बाद अगली ही बॉल पर जसप्रीत बुमराह को बोल्ड कर दिया। बुमराह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।

रोहित के डीआरएस नहीं लेने से डकेट को जीवनदान

इंग्लैंड की दूसरी पारी के 17वें ओवर में बेन डकेट को जीवनदान मिला। बुमराह के ओवर की आखिरी बॉल डकेट के पैड पर लगी। लेकिन फील्ड अंपायर ने अपील नकार दी। ऐसे में रोहित ने डीआरएस नहीं लिया। बाद में रिप्ले देखने से पता चला किया बॉल लेग स्टंप को हिट कर रही थी। इसतरह रोहित के डीआरएस नहीं लेने की वजह से इंग्लिश ओपनर बेन डकेट को जीवनदान मिला।

बुमराह की बॉल पर बोल्ड हुए डकेट, 8 फीट दूर गिरा स्टंप

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट को 19वें ओवर की 5वीं बॉल पर बोल्ड कर दिया। बुमराह की बॉल इतनी तेज थी कि डकेट का स्टंप 8 फीट दूर तक उछलता हुआ गया। डकेट 47 रन के स्कोर पर आउट हुए और अर्धशतक से चूक गए।

बुमराह को 2 ओवर में 2 विकेट

बेन डकेट को बोल्ड करने के बाद बुमराह ने अपने अलग ओवर में जो रूट को आउट कर दिया। रूट 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

डेनिल मेदवेदेव ने की अविश्वसनीय वापसी, दो सेट में पिछड़कर जीता सेमीफाइनल मैच

मेलबर्न ।
ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2024 के सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव ने अविश्वसनीय वापसी की। उन्होंने दो सेट हारने के बाद वापसी की और मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाई। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए उन्होंने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। रॉड लेवर एरेना में मेदवेदेव ने अपने जर्मन प्रतिद्वंद्वी को 5-7, 3-6, 7-6 (7-4), 7-6 (7-5), 6-3 से हराने के लिए चार घंटे और 18 मिनट तक कड़ी मेहनत की। यह दूसरी बार था जब मेदवेदेव ने दो सेटों से पिछड़ने के बाद वापसी की। दूसरे राउंड में उन्होंने फिनलैंड के एमिल रुसुवुओरी को 3-6, 6-7 (1-7), 6-4, 7-6 (7-1), 6-0 से हराया। मेदवेदेव का अगला मुकाबला इटली के जानिक सिनर से होगा, जिन्होंने 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। मेदवेदेव का भी काम मुश्किल है, क्योंकि सिनर ने खेले गए 19 सेटों में से 18 में जीत हासिल की है। मेदवेदेव की यादगार वापसी मेदवेदेव के खिलाफ, ज्वेरेव ने डबल ब्रेक के साथ मैच की शुरुआत की और नियंत्रण में दिखे, लेकिन फिर मेदवेदेव ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 5-5 कर दिया। हालांकि, उलझने के बजाय, ज्वेरेव ने सेट में अपना तीसरा ब्रेक अर्जित किया और जीत हासिल की। ज्वेरेव ने एक बार फिर सर्विस ब्रेक करके दूसरे सेट में स्कोर 3-2 कर दिया गया। इस बार उन्होंने बिना ज्यादा मेहनत किये सेट खत्म कर दिया। तीसरे सेट से मेदवेदेव ने अपने खेल में काफी सुधार किया। दोनों खिलाड़ियों के अपनी सर्विस बरकरार रखने के बाद तीसरा सेट टाई-ब्रेकर में चला गया। 27 वर्षीय मेदवेदेव, जिन्होंने कोर्ट को कवर करने की अपनी अविश्वसनीय क्षमता के लिए एंड्री रुबलेव से ऑक्टोपस उपनाम अर्जित किया, उन्होंने टाई-ब्रेकर जीता।

रणजी में 21 छक्के लगाकर अग्रवाल ने तोड़ा वर्ल्ड रिकार्ड, बनाई ट्रिपल सेंचुरी

नई दिल्ली ।
भारतीय बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक लगाया है। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए छक्के चौकों की दम पर वर्ल्ड रिकार्ड तोड़ दिया। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेलने उतरे तन्मय अग्रवाल की नाबाद पारी की बदौलत टीम ने महज 1 विकेट के नुकसान पर दिन का खेल खत्म होने तक 529 रन बना डाले। रणजी ट्रॉफी में शुरू हुए हैदराबाद और अरुणाचल प्रदेश के मुकाबले में रनों की बरसात हुई।

इससे पहले गेंदबाजी करते हुए हैदराबाद ने अरुणाचल प्रदेश की टीम के 172 रन के स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद दिन का खेल खत्म होने तक महज 1 विकेट गंवाकर 529 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर डाला। इस ओपनिंग जोड़ी ने मिलकर 449 रन की साझेदारी की। बता दें कि तन्मय अग्रवाल 323 रन की पारी खेलकर नाबाद लौटे और मैच के दूसरे दिन 400

रन के जादुई आंकड़े तक पहुंचने की कोशिश में जुटे हैं। गौरतलब है कि रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक जमाने वाले बैटर की लिस्ट में अब तन्मय अग्रवाल का नाम भी शामिल हो गया है। उन्होंने एक ऐसी पारी खेली जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। महज 160 गेंद पर 323 रन बनाकर वह पहले दिन नाबाद लौटे। इस पारी में उनके बल्ले से कुल 21 छक्के देखने को मिले वहीं इस ट्रिपल सेंचुरी तक पहुंचने के लिए 33 चौके भी जमाए। 200 की तूफानी स्ट्राइक रेट से उन्होंने इस पारी में रन कूट डाले। तन्मय अग्रवाल ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 147 गेंदों में सबसे तेज फर्स्ट क्लास ट्रिपल सेंचुरी का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के मार्को माराइस का रिकॉर्ड तोड़ा जबकि 2017 में ईस्टर्न प्रोविंस के खिलाफ बॉर्डर के लिए 191 गेंदों में 300 रन बनाए थे।

डब्लूपीएल खेलेंगी चमारी अटापट्टू: यूपी वॉरियर्ज ने लौरेन बेल की जगह शामिल किया; आईसीसी की वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर हैं अटापट्टू

नई दिल्ली ।
श्रीलंका विमेंस टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू विमेंस प्रीमियर लीग का दूसरा सीजन खेलती नजर आएंगी। उन्हें यूपी वॉरियर्ज ने इंग्लिश तेज गेंदबाज लौरेन बेल की जगह स्क्वॉड में शामिल किया। बेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी करने के लिए डब्लूपीएल नहीं खेलने का फैसला किया। 33 साल की अटापट्टू यूपी की टीम में 30 लाख रुपए की बेस प्राइस में शामिल हुईं, वह ऑक्शन में अनसोल्ड रही थीं। उन्हें आईसीसी ने 2023 की विमेंस वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी दिया। चमारी डब्लूपीएल के पहले सीजन में भी अनसोल्ड रही थीं। दूसरे सीजन से पहले उन्होंने इंटरनेशनल और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। बावजूद इसके वह दूसरे सीजन के ऑक्शन में भी अनसोल्ड रहीं। ऑक्शन में उन पर 2 बार बोली लगी, लेकिन दोनों ही बार उन्हें खरीदार नहीं मिला। अब यूपी ने उन्हें 30 लाख रुपए की बेस प्राइस में शामिल किया है। डब्लूपीएल में शामिल होने पर चमारी अटापट्टू ने कहा, मैं डब्लूपीएल में अपना बेस्ट देने पर ध्यान दूंगी। कोच जॉन लुईस और कप्तान एलिसा हीली के साथ काम कर मैं अपनी टीम को चैंपियन बनाना चाहती हूं। डब्लूपीएल बहुत अच्छा और बड़ा टूर्नामेंट है, यूपी वॉरियर्ज की टीम भी बेहद मजबूत है। चमारी अटापट्टू ने श्रीलंका के लिए 122 टी-20 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 8 फिफ्टी और एक सेंचुरी के सहारे 2651 रन बनाए हैं। उन्होंने 6.70 की इकोनॉमी से 40 विकेट भी लिए हैं। डब्लूपीएल के पहले सीजन में अनसोल्ड रहने के बाद 2023 में अटापट्टू ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 16 टी-20 इंटरनेशनल में 131 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 470 रन बनाए। साथ ही ऑफ स्पिन बॉलिंग से 8 विकेट भी लिए। उन्होंने

श्रीलंका की कप्तानी करते हुए टीम को इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक टी-20 सीरीज जिताई। सीरीज में उन्होंने ही सबसे ज्यादा रन बनाए और सबसे ज्यादा विकेट भी लिए। विमेंस बिग बैश लीग के पिछले ही सीजन में अटापट्टू प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। उन्होंने सिडनी थंडर से खेलते हुए 15 मैचों में 552 रन बनाए, इसके साथ ही उन्होंने 9 विकेट भी झटके। वह इन दिनों न्यूजीलैंड में विमेंस सुपर स्मैश खेल रही हैं। नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए वह 9 टी-20 में 128 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 221 रन बना चुकी हैं। साथ ही उन्होंने 9 विकेट भी लिए। उनकी टीम सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबला हार कर बाहर हो गई।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के संस्थापक विंस मैकमेहन पर लगे गंभीर आरोप

पूर्व कर्मचारी ने यौन शोषण-तस्करी का आरोप लगाया

नई दिल्ली ।
वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के संस्थापक विंस मैकमेहन पर गंभीर आरोप लगे हैं। कंपनी के पूर्व कर्मचारी ने उन पर यौन शोषण और तस्करी का आरोप लगाया है। पूर्व कर्मचारी जेनेल ग्रांट ने मैकमेहन के खिलाफ 25 जनवरी, 2024 को अमेरिका के कनेक्टिकट जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। ग्रांट ने मैकमेहन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इसमें यौन शोषण, हमला और तस्करी शामिल है। उन्होंने मार्च 2019 में मैकमेहन से परिचय होने बाद और नौकरी के दौरान अपने अनुभव बताए हैं।

इस दौरान वह बेहद असुरक्षित महसूस कर रहे थे। आरोपों के अनुसार, मैकमेहन के साथ यौन संबंध बनाने पर ही उनकी नौकरी निर्भर थी। कानूनी दस्तावेज जबरदस्ती और शोषण के एक पैटर्न को रेखांकित करता है, जिसमें मैकमेहन ने कथित तौर पर ग्रांट की अश्लील सामग्री को उनकी सहमति के बिना साझा किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई कार्यकारी जॉन लॉरिनाइटिस सहित अन्य लोगों के साथ यौन संबंधों के लिए उन पर दबाव डाला। दावा किया गया है कि इनमें से कुछ घटनाए डब्ल्यूडब्ल्यूई मुख्यालय में काम के घंटों के दौरान भी हुईं। इनमें लॉरिनाइटिस के कार्यालय में मैकमेहन और लॉरिनाइटिस ने मिलकर ग्रांट का यौन शोषण किया।

मुकदमे में आगे कहा गया है कि मैकमेहन ने ग्रांट को इसके लिए राजी करने के लिए अपने प्रभावशाली पद का इस्तेमाल किया। उपहार और पदोन्नति की पेशकश की, जबकि अनुपालन न करने पर उनकी आजीविका बंद करने की धमकी दी। जनवरी 2022 में मैकमेहन की पत्नी को

उनके रिश्ते का पता चलने के बाद, ग्रांट ने आरोप लगाया कि उन पर इस्तीफा देने और वित्तीय और प्रतिष्ठित सुरक्षा के लिए एक गैर-प्रकटीकरण समझौते (एनडीए) पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डाला गया था। एक मिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रारंभिक भुगतान के बावजूद, मैकमेहन पर आगे दिए गए भुगतान को पूरा करने में विफल रहने का आरोप है।

ग्रांट की कानूनी कार्रवाई एनडीए को निरस्त करने और प्रतिपूरक और दंडात्मक क्षति को सुरक्षित करने के लिए है। उनके वकीलों का तर्क है कि मुकदमे का उद्देश्य कथित दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराना और अन्य महिलाओं के समान उत्पीड़न को रोकना है। आरोपों में यौन तस्करी, सिविल बैटरी, जानबूझकर या लापरवाही से भावनात्मक संकट पैदा करने और तस्करी पीड़ित रोकथाम अधिनियम के उल्लंघन के आरोप शामिल हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के अधिकतर शेयर मैकमेहन के पास हैं। वह, अलग-अलग कदाचार के आरोपों के कारण 2022 में सीईओ के रूप में पद छोड़ने के बाद जनवरी 2023 में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में डब्ल्यूडब्ल्यूई में लौटे। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई ने इस मामले को कम करने का प्रयास किया, यह दावा करते हुए कि जांच के लिए गठित एक विशेष समिति ने कभी भी ग्रांट से बात नहीं की या सहयोग करने की इच्छा के बावजूद उनसे दस्तावेजों नहीं मांगे।

मैकमेहन के एक प्रवक्ता ने मुकदमे को झूठ और विकृतियों से भरा बताते हुए खारिज कर दिया है, जिससे मैकमेहन के खुद का सख्ती से बचाव करने के इरादे पर जोर दिया। इस बीच, डब्ल्यूडब्ल्यूई की मूल कंपनी टीकेओ ग्रुप होल्डिंग्स का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और आंतरिक रूप से इसका समाधान किया जा रहा है। जॉन लॉरिनाइटिस ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया है।

मैकमेहन के खिलाफ आरोपों ने दुनिया की सबसे प्रमुख मनोरंजन कंपनियों में से एक के भीतर दुर्व्यवहार और शोषण की परेशान करने वाली तस्वीर पर प्रकाश डाला है, जिससे डब्ल्यूडब्ल्यूई के भीतर संस्कृति और निरीक्षण के बारे में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

तनावमुक्त रहना है तो रोज करें वृक्षासन

वृक्षासन यानी पेड़ के समान। यह आसन करने से मनुष्य की आकृति पेड़ के समान हो जाती है। यही कारण है कि इसे वृक्षासन कहते हैं।

इस आसन से न सिर्फ शारीरिक रूप से हमें लाभ पहुंचाता है वरन इसके करने से हमें मानसिक सुकून भी मिलता है। जहां एक ओर वृक्षासन से हमारे शरीर के विभिन्न अंग विशेषों को लाभ पहुंचता है, वहीं दूसरी मानसिक तनाव को भी यह आसन दूर रखता है। कहने का मतलब यह कि मानसिक सुकून चाहिए तो वृक्षासन कीजिए। इसके बारे में विस्तार से जानिए।

इस आसन के लाभ

वृक्षासन के असंख्य लाभ है बशर्ते इसे नियमानुसार किया जाए। साथ ही इसकी सावधानियां भी बरती जाएं। योग विशेषज्ञों की मानें तो वृक्षासन सुबह उठकर किया जाए तो इसका हमें फायदा पहुंचता है। इसके नियमित करते से बेडौल शरीर सुडौल बनता है। जिन्हें घुटने के दर्द की शिकायत है, वृक्षासन करने से उन्हें घुटनों के दर्द से मुक्ति मिलती है। यह आसन उन लोगों के लिए खासकर लाभकर है जिन्हें चलने का काम ज्यादा करना पड़ता है। मसलन यदि आप सेल्स पर्सन हैं या किसी कूरिअर कंपनी में काम करते हैं तो इस आसन को अवश्य करें। इसकी एक वजह यह है कि वृक्षासन हमारे पैरों को मजबूती प्रदान करता है।

इतने में ही वृक्षासन की खूबी खत्म नहीं होती। नियमित वृक्षासन करने से हमारी एकाग्र क्षमता बढ़ती है। एकाग्र क्षमता जो कि हमारे याद्दाश्त की बेहतर होने की निशानी है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि मौजूदा दौर में बेहतर कॅरिअर, बेहतर सम्बंध आदि के लिए बेहतर याद्दाश्त कितनी जरूरी है। यह आसन सिर्फ पुरुष करें, ऐसा जरूरी नहीं है। इस आसन में घर की महिलाएं और बच्चों को भी भाग लेना चाहिए।

वृक्षासन पैरों को मजबूत तो बनाता ही है। साथ ही यह स्नायुमण्डल का विकास कर पैरों को स्थिरता प्रदान करता है। यह कमर और कूल्हों के आसपास जमीं अतिरिक्त चर्बी को हटाता है। मतलब यह है कि अगर आपका वजन ज्यादा है यानी आप मोटे हैं तो यह आसन आपको विशेष रूप से लाभ पहुंचा सकता है। चर्बी घटाने के बाद यह आसन शरीर को कमजोर नहीं करता वरन मजबूती देता है। अगर आप अपनी बढ़ती तोंद से परेशान हैं तो इस आसन को अवश्य करें।

कैसे करें यह आसन

सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों पैरों के बीच कुछ दूरी बनाकर खड़े रहें। फिर हाथों को सिर के ऊपर उठाते हुए सीधा कर हथेलियों को मिला दें।

अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए उसके तलवे को बाईं जांघ पर टिका दें। बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए हथेलियां, सिर और कंधे एक ही सीध में हों। जब तक संभव हो ऐसे रहें। कुछ देर बाद अन्य पैर से भी यह दोहराएं।

बरतें सावधानी

हमेशा यह ध्यान रखें कि आसन करने से पहले किसी विशेषज्ञ की राय अवश्य लें। यदि आप स्वयं वृक्षासन कर रहें हैं तो आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इसकी एक वजह यह है कि अगर आप वृक्षासन सही से नहीं करेंगे तो हो सकता है कि आसन को सकारात्मक असर की बजाय नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। इसे नियम, समय और सही तरीके का हमेशा ख्याल रखें। यूं तो वृक्षासन सबके लिए हितकर है। लेकिन यह जानना आवश्यक है कि वृक्षासन से किन लोगों को दूरी बनाए रखनी चाहिए। अगर आपको नींद से सम्बंधित कोई शिकायत है या अनिद्रा का रोग है तो इस आसन को न करें। सिरदर्द भी इसे न करने की एक ठोस वजह है। नियमित सिरदर्द की शिकायत वालों को यह आसन तनावमुक्त करने की बजाय तनाव से भर देगा। ब्लड प्रेशर के मरीजों को भी वृक्षासन नहीं करना चाहिए।

एंटीबायोटिक दवाएं खो रहीं अपना असर

बीमारी से जल्द ठीक होने के लिए लोग एंटीबायोटिक्स दवाओं को इस्तेमाल धड़ल्ले से करते हैं। लेकिन अब एंटीबायोटिक दवाओं के असर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आज के समय में ऐंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक नई समस्या के रूप में उभर रहा है। ऐंटीबायोटिक रेजिस्टेंस वह स्थिति है जिसमें कोई बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवा के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर लेता है।

मोटापा कमजोर कर सकता है बच्चों की हड्डियां

एक नए अध्ययन से पता चला है कि मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा एक्सट्रा फैट मांसपेशियों में जमा हो जाता है और यही फैट बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए।

बढ़ रहा है बांझपन

आजकल बदलती जीवनशैली ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं बहुत सी समस्याओं को भी जन्म दिया है। ऐसी ही समस्याओं की सूची में से एक है इन्फर्टिलिटी। हालांकि इन्फीर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है। खान-पान ,नौकरियों और रहन सहन में आये बदलाव ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं कहीं ना कहीं हमारी समस्याएं भी बढ़ाई हैं ।

शारीरिक समस्याओं का सामना

मीडिया, काल सेंटर जैसी नौकरियों में समय की कोई बाध्यता ना होने के कारण व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समय से ना सोने और जगने से अनिद्रा, डिप्रेशन जैसी समस्याएं होना बहुत ही आम है। इन्हीं समस्याओं की सूची में से एक है 'इन्फार्टिलिटी'। हालांकि इन्फीर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है।

शहरी वातावरण में बढ़ते प्रदूषण और टाक्सिन ने 45 से 48 प्रतिशत इन्फर्टिलिटी के मामले बढ़ा दिए हैं। जीवनशैली में बदलाव और खानपान की गलत आदतें भी अप्रत्यक्ष रूप से इन्फर्टिलिटी की ज़िम्मेदार हैं। पेस्टिसाइड और प्लास्टिक का खानपान के दौरान हमारी फूड चेन में आना हार्मोन के स्तर को प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी आफ नार्थ कैरालिना, चैपल हिल के शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया है कि वो महिलाएं जो नाइट शिफ्ट में काम करती हैं उनमें समय से पहले प्रसव की सम्भावना रहती है । बढ़ती इन्फर्टिलिटी के कुछ प्रमुख कारण हैं

अधिक उम्र में विवाह

आज तरक्की और सफलता की चाह में पुरूष और महिला कम उम्र में विवाह नहीं करना चाहते । विवाह के अधिक उम्र में होने पर बच्चे के बारे में सोचने में भी उन्हें समय लग जाता है। महिलाएं भी आज ज्यादा आत्मनिर्भर होने लगी हैं और वो कम उम्र में बच्चा नहीं चाहतीं ।अधिक उम्र में विवाह होने से स्त्रियों में ओवम की क्वालिटी प्रभावित होती है और इन्हीं कारणों से उनमें इन्फर्टिलिटी की सम्भावना भी बढ़ जाती है। दूसरे कारण जो आजकल अधिकांश स्त्रियों में पाये जा रहे हैं वो हैं फाइब्रायड का बनना, एन्डोमैंट्रियम से सम्बन्धी समस्याएं। उम्र के बढ़ने के कारण हाइपरटेंशन जैसी दूसरी समस्याएं भी आ जातीं हैं और इनके कारण महिलाओं में फर्टिलिटी प्रभावित होती है ।

काम का दबाव

काम के दबाव के कारण व्यायाम का समय निकालना हर किसी के लिए बहुत मुश्किल होता है । काल सेन्टर और मीडिया की नौकरी में समय की बाध्यता ना होने के कारण काम का दबाव और प्रतियोगिता भी दिनों दिन बढ़ती जा रही है । इन कारणों से पूरी नींद ना सो पाना भी बहुत से लोगों में आम है। हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश कन्सल का कहना है कि आज हमारे जीवन में रिप्रोडक्शन से ज्यादा ज़रूरी हो गयी है हमारी तरक्की और इसी कारण से हमारा ध्यान घर से ज्यादा अफिस के कामों में लगा रहता है। अधिक समय तक काम करने के बाद आफिस से थककर घर आने के बाद अधिकतर कपल्स में सेक्स की इच्छा में भी कमी हो जाती है।

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड का इस्तेमाल

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड के इस्तेमाल से सीमेन की गुणवत्ता खराब हो जाती है। धूम्रपान से स्पर्म की गिनती और गतिशीलता कम होती है और यह होने वाले बच्चे में आनुवांशिक तौर पर बदलाव भी कर सकता है । इसी प्रकार से अल्कोहल भी टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करता है। किसी प्रकार की दवाओं या ड्रग्स के गलत तरीके से इस्तेमाल के कारण भी इन्फर्टिलिटी हो सकती है। स्टेरायड जैसे हार्मोन हमारे शरीर के हार्मोन के स्तर में बदलाव लाते हैं जो कि हमारे स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। बीमारी होने पर भी चिकित्सक की सलाहानुसार ही दवाएं लेनी चाहिए। हम कह सकते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है और बहुत सी बीमारियों के उपचार भी ढूंढ निकाले है लेकिन इनफर्टिलिटी जैसी समस्या से निदान पाना कई स्थितियों में बहुत मुश्किल हो जाता है और कभी कभी नामुमकिन। इनफर्टिलिटी के बहुत से कारक हो सकते हैं, लेकिन ऐसी समस्या पर समय पर ध्यान देकर आप मातृत्व और पैतृत्व का सुख उठा सकते हैं अधिक उम्र में विवाह होने पर चिकित्सक का परामर्श लें। अगर आप विवाह के तुरंत बाद बच्चा नहीं चाहते, तो भी चिकित्सक से सम्पर्क करें।

- शराब, सिग्रेट, कोकीन जैसे मादक पदार्शों से दूर रहें।
- अस्वस्थ सेक्सुअल आदतों से बचें।
- स्वस्थ आहार लें और आफिस के बाद सैर पर जाएं या प्रतिदिन व्यायाम के लिए कुछ समय जरूर निकालें।

स्वास्थ्य समस्याएं

हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं जिन्हें कि बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था । आज वह युवाओं में भी बहुत आम हो गयी हैं और इनका प्रभाव व्यक्ति की सेक्सुअल लाइफ पर भी पड़ता है । हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश कन्सल जीवनशैली में बदलाव को इन्फर्टिलिटी का कारक मानती हैं । डायबिटीज, पी सी ओ डी (पालीसिस्टमिक ओवरियन डिजीज) के कारण महिलाओं मे बहुत सी बीमारियां आम हो गयी हैं । 60 से 70 प्रतिशत महिलाओं में ओवुलेशन की क्रिया ही नहीं होती ।

वज़न का बढ़ना और व्यायाम की कमी के कारण भी सही मात्रा में हार्मोन नहीं बन पाते। बचपन से ही लोगों में कंम्यूटर और लैपटाप पर बैठना आम है और यह कारण भी कहीं ना कहीं इन्फर्टिलिटी के जिम्मेदार होते हैं।

क्या है सर्दियों में जोड़ों के दर्द का तोड़

जोड़ों का दर्द यानी ज्वाइंट पेन की समस्या आजकल आम होती जा रही है। इस समस्या से परेशान लोगों की मुश्किलें सर्दी के मौसम में और भी बढ़ जाती हैं। पढ़े ऐसे लोगों के लिए क्या-क्या सावधानियां जरूरी हैं।

अमूमन देखा गया है कि सर्दियों में जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जो लोग पहले से ही इस समस्या से गुजर रहे होते हैं या कहें कि आर्थराइटिस या गठिया के मरीजों में अकसर ठंड के मौसम में यह समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में हमारी रक्त नलियां संकुचित हो जाती हैं, इसलिए जोड़ों का दर्द बढ़ा हुआ जान पड़ता है।

हालांकि इससे कोई नई समस्या पैदा नहीं होती। जिन लोगों में ऐसी कोई समस्या पहले से ही होती है, लेकिन वे इसकी जांच नहीं कराते और इसे दरकिनार करते रहते हैं, उन्हें ठंड के मौसम में ज्यादा परेशानी होने लगती है। इसके अलावा इस मौसम में अधिक उम्र के लोगों, खासकर जिन्होंने पहले घुटने का रिप्लेसमेंट करवाया हो, को जानकारी के अभाव में इस दर्द से दो-चार होना पड़ता है।

ऐसे पहचानें

अगर रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो रही हो, 10 से 15 मिनट चलने के बाद दर्द शुरू हो जाता हो, घुटनों के आसपास सूजन आ रही है तो समझ लें कि जोड़ों की समस्या है। तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

क्या हैं कारण

आज की तनाव भरी जीवनशैली, सूरज की किरणें न मिल पाना, खाने-पीने में कैल्शियम की प्रचुर मात्रा न होना, नियमित रूप से व्यायाम न करना और शरीर को आवश्यक विटामिन डी-3 उपलब्ध न करा पाना आदि सामान्यतः जोड़ों में दर्द की समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं। हालांकि कई बार युरिन की परेशानी भी इसका कारण हो सकती है। महिलाओं में हारमोनल डिस्टर्बेस, मासिक धर्म, मेनोपॉज और तनाव इसका बड़ा कारण माने जाते हैं।

जांच है आसान

एक्सरे, एमआरआई और रक्त की जांच से इसके वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सकता है।

क्या करें

- जोड़ों को खुली हवा से बचा कर रखें। गर्म या ऊनी कपड़े पहने रहें।
- नियमित रूप से व्यायाम करना न भूलें। व्यायाम से शरीर में रक्त का संचार व्यवस्थित होता है, जिससे शरीर का तापमान संतुलित रखने में मदद मिलती है।
- खाने में कैल्शियम, प्रोटीन्स और मिनरल्स प्रचुर मात्रा में शामिल करें।

समस्या को पहचानें

ज्वाइंट पेन का मतलब आर्थराइटिस नहीं होता। 35 साल की उम्र के बाद जोड़ों की समस्या होना सामान्य है। नी-पेन मांसपेशियों के कमजोर होने की वजह से भी हो सकता है।

क्या करें

- दर्द बढ़ता जा रहा हो तो फौरन ऑथरेपेडिक्स की सलाह लें। हालांकि फिजियोथेरेपिस्ट भी एक्सरे और एमआरआई देख कर दर्द का कारण समझ लेते हैं।
- यदि गठिया की समस्या नजर आती है तो हड्डी विशेषज्ञ उसका सही इलाज करते हैं। फिजियोथेरेपिस्ट से सही तरह से व्यायाम करने की जानकारी लेना जरूरी हो जाता है।
- फिजियोथेरेपिस्ट व्यायाम के जरिए आपकी मांसपेशियों की स्टिफनेस को दूर करते हैं और कमजोर हो रही मांसपेशियों को व्यायाम के जरिए मजबूत बनाए रखते हैं

हल्की सर्दी में काम के हैं पोंचू...

किसी जमाने में दादी-नानी के हाथों में क्रोशिया की सिलाई देखी जाती थी और घरों में क्रोशिया से बुने हुए तकिए के कवर, रुमाल, शो पीस और अन्य सामान आसानी से देखे जाते थे। बदलते वक्त और भागदौड़ की व्यस्त जिंदगी में घरों और बाजारों में क्रोशिया की बुनी हुई चीजें गायब होती चली गईं। बाजार में अब क्रोशिया से बने वेस्टर्न और इंडियन आउटफिट का बोलबाला शुरू हुआ है, जिसमें फैशन डिजाइनर नए-नए फ्यूजन के साथ कपड़ों को तैयार कर रहे हैं। इनहें पहनने से आप आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही फैशन में एक नयापन भी आया है। आज हम आपके सामने क्रोशिया , सिल्क, वूलन आदि से बने पोंचू लेकर आए है जिनहें आप सर्दीयों के मौसम में भी पहन सकती है। दिन की नरम धूप हो या शाम की हल्की सर्दी, ऐसे समय में आपको सेफ रखते हैं पोंचू। इन्हें आप किसी भी ड्रेस के ऊपर पहन सकते है। आपकी सिंपल ड्रेस भी पोंचू से खूबसूरत बन जाती है। चलिए आज आप को बताते हैं पोंचू के भी कई वैराइटीज हैं जिसको लेकर आप एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं।

क्रोशिया से बने पोंचू

क्रोशिया से बने पोंचू को गर्मी और सर्दी दोनो मौसम में पहना जा सकता है। गर्मियों में धागे से बने पोंचू और सर्दियों में ऊनी पोंचू पहने जाते हैं। इसे गर्मियों में बोरिंग ड्रेस को ग्लैमरस लुक देने और धूप से बचने के पहना जाता है।

निटेड पोंचू

जहां क्रोशे पोंचू गर्मियों के लिए उचित हैं वहीं निटेड पोंचू आपको ठंड से सुरक्षा देते हैं। ये अपको ट्रेंडी और वार्म लुक देते हैं।

एम्ब्रॉयडेड पोंचू

ये ट्रेडिशनल पोंचू हैं जो कई वैरायटी और पैटर्न व स्टाइल में मिलते हैं। ये बहुत एलेगेंट फैब्रिक में आते हैं।

वूलन फैब्रिक पोंचू

वूलन फैब्रिक पोंचू सर्दियों से बचाव के लिए हैं। इन्हें ऊन से बुना नहीं जाता बल्कि वार्म वुलन फैब्रिक से बनाया जाता है। इनकी गर्माहट इनके फैब्रिक पर डिपेंड करती है। हुडेड और टर्टलनेक पोंचू विद हुड जैसे ज्यादातर पोंचू बच्चों के लिए बनाए जाते हैं।

सिल्क पोंचू

सिल्क पोंचू वजन में हल्के होते हैं जिन्हें आप बतौर एक्सेसरी पहन सकते हैं जो आपके पहनावे को नया लुक देंते है।

तनाव घटाने के लिए लोग करते है कुछ ऐसा

आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। पर दक्षिण कोरिया में आजकल लोग तनाव को भगाने के लिए मरने के बाद की लाइफ में जाना चाहते हैं। और ऐसा महसूस कराने के लिए बाकायदा कंपनियां भी हैं, जो ये काम कर रही हैं। जी हां, दक्षिण कोरिया में लोग 10 मिनट ताबूत में रहते हैं। मरने के बाद की जिंदगी को लेकर धर्मगुरुओं से ज्ञान भी लेते हैं। ताकि वो तनाव को भगा सकें। हैरानी की बात है कि ऐसा करने वाले बाद में कहते हैं कि उन्हें ऐसा करके अच्छा लगा। वांग योंग यो(67) नाम की महिला ने कहा कि 10 मिनिट मरने के बाद की जिंदगी बिताकर मुझमें नया उत्साह आ गया है। ऐसा लगता है कि मुझे नई जिंदगी मिली है। और मैं नई शुरुआत कर सकती हूं। कोरिया में तनाव घटाने के लिए लोग करते हैं मरने के बाद की जिंदगी का अहसास! सोचिए, आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी मां मुझसे बहुत प्यार करती थी, वो कम उम्र में ही चली गई। वो बहुत खूबसूरत थी। दक्षिण कोरिया में मॉक फ्यूनरल मतलब मरने के बाद के अंतिम संस्कार का अभ्यास अब नया ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसा कराने के लिए तमाम कंपनियां भी मैदार में उतर चुकी हैं। और अब ये बड़ा बिजनेस बन चुका है।

रेसिपी

पालक मेथी ना मुठीया

सामग्री

2 कप बारीक कटी हुई पालक, 1 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, 4 टेबल-स्पून बेसन, 1 टेबल-स्पून सूजी, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 2 चुटकी बेकिंग सोडा, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 2 1/4 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 1/4 टी-स्पून हींग

विधि

पालक, मेथी और थोड़े नमक को एक प्लेट में डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगभग 5 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। सारा पानी नीचोड़कर पालक और मेथी को एक बाउल में रख दें। अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, गेहूं का आटा, बेसन, सूजी, ज़ीरा, बेकिंग सोडा, शक्कर, नमक और 1 टी-स्पून तेल डालकर, बहुत ही नरम आटा गूंथ लें। अपने हाथों में 1/4 टी-स्पून तेल लगाकर आटे को 4 बराबर भाग में बांट लें। प्रत्येक भाग कप लगभग 150 मिमी के लंबे और 25 मिमी व्यास के गोल आकार में रोल कर लें। रोल्स को तेल से चुपड़ी छन्नी में रखकर, स्टीमर में 20-25 मिनट के लिए स्टीम कर लें। निकालकर हल्का ठंडा कर लें और 12 मिमी के स्लाईस में काटकर एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक गहरे पॅन में बचे हुए 1 टी-स्पून तेल को गरम करें और सरसों और तिल डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग डालकर 15 सेकन्ड के लिए भुन लें। स्लाईस्ड मुठीया डालकर हल्के हाथों मिला लें और धिमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए या हल्का सुनहरा होने तक भुन लें। हरी चटनी के साथ गरमा गरम परोसें।

पोहा ढोकला

सामग्री

1/2 कप जाड़ा पोहा, 1/2 कप सूजी,1 कप दही, 1 टी-स्पून हरी मिर्च की पेस्ट, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून सरसों, एक चुटकी हिंग, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, परोसने के लिए, ग्रीन चटनी

विधि

दही और 1 कप पानी को गहरे बर्तन में डालकर अच्छे से मिलाइए। अब उसमे सूजी, जाड़ा पोहा, हरी मिर्च की पेस्ट और नमक डालकर अच्छे से मिलाइए और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दिजिए। ढोकला बनाने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट और 2 टी-स्पून पानी उपर से डालिए। जब बुलबले आना शूरु हो, तब मिश्रण को धीरे से मिलाइए। अब 175 mm व्यास की चुपडी हुई थाली में मिश्रण डालकर उसे एकसमान फैलाइए। अब स्टिमर में 10 से 12 मिनट या ढोकला पकने तक स्टिम करे और एक तरफ रख दीजिए। एक छोटा पॅन मे तेल गरम करें और उसमे सरसों डाले। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे हिंग डालिए। मध्यम आंच पर कुछ सेकंड भूनिए और इस तड़के को ढोकले के उपर फैलाइए। थोडा ठंडा होने के लिए एक तरप रखिए और चौकोर आकार में समान काटकर उपरसे धनिया डालकर सजाइए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**